

وَإِذَا سَمِعُوا مَا أُنزِلَ إِلَى الرَّسُولِ تَرَىٰ أَعْيُنُهُمْ

और जब वो उस कुर्आन को सुनते हैं जो रसूल की तरफ़ उतारा गया तो आप उन की आंखों को

تَفِيضُ مِنَ الدَّمْعِ مِمَّا عَرَفُوا مِنَ الْحَقِّ يَقُولُونَ

आंसुओं से बहती हुई दृष्टि देते हैं उस उक की वजह से जो उन्होंने ने पढ़या। वो कहते हैं के

رَبَّنَا آمَنَّا فَاكْتُبْنَا مَعَ الشَّاهِدِينَ ﴿١٣﴾ وَمَا لَنَا

ओ हमारे रब! हम ईमान लाए, इस लिये आप हमें शहादत देने वालों के साथ लिख दीजिये. और हमें

لَا نُؤْمِنُ بِاللَّهِ وَمَا جَاءَنَا مِنَ الْحَقِّ وَنَطَعُ

क्या हुवा के हम ईमान न लाए अल्लाह पर और उस उक पर जो हमारे पास आया, उलांके

أَنْ يُدْخِلَنَا رَبَّنَا مَعَ الْقَوْمِ الصَّالِحِينَ ﴿١٤﴾ فَاتَّابَهُمْ

हम उम्मीद रभते हैं के हमारा रब हमें सालेह कौम के साथ शामिल कर दे. फिर अल्लाह ने

اللَّهُ بِمَا قَالُوا جَنَّتِ تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ

उन के इस केहने की वजह से बहले में ऐसी जन्नत दी, जिन के नीचे नेहरें बहती होंगी,

خُلِدِينَ فِيهَا ۗ وَ ذَلِكَ جَزَاءُ الْمُحْسِنِينَ ﴿١٥﴾ وَالَّذِينَ

वो उन में उमेशा रहेंगे. और ये नेकी करने वालों का बहला है. और जिन लोगों ने

كَفَرُوا وَ كَذَّبُوا بِآيَاتِنَا أُولَٰئِكَ أَصْحَابُ الْجَحِيمِ ﴿١٦﴾

कुड़ किया और हमारी आयतों को जूठलाया वो दोजभी हैं.

يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا لَا تَحْرِمُوا طَيِّبَاتِ مَا حَلَٰلَ

ओ ईमान वालो! तुम उन पाकीजा चीजों को डराम मत करो जो अल्लाह ने तुम्हारे लिये

اللَّهُ لَكُمْ وَلَا تَعْتَدُوا ۗ إِنَّ اللَّهَ لَا يُحِبُّ

उलाल की हैं और तुम उह से आगे मत बण्डो. यकीनन अल्लाह उह से आगे बण्डने वालों से

الْمُعْتَدِينَ ﴿١٧﴾ وَ كُلُوا مِمَّا رَزَقَكُمُ اللَّهُ حَلَٰلًا طَيِّبًا ۗ

मउब्बत नहीं करते. और तुम अल्लाह तआला की दी हुई उलाल व पाकीजा रोजी को भाओ.

وَ اتَّقُوا اللَّهَ الَّذِي أَنْتُمْ بِهِ مُؤْمِنُونَ ﴿١٨﴾ لَا يُؤَاخِذْكُمُ

और तुम अल्लाह से डरो, उस अल्लाह से जिस पर तुम ईमान रभते हो. अल्लाह तुम्हारा

اللَّهُ بِاللَّغْوِ فِي أَيْمَانِكُمْ وَلَكِنْ يُؤَاخِذْكُمْ بِمَا

मुआभजा नहीं करेंगे तुम्हारी लउव कस्मों में. लेकिन अल्लाह तुम्हारा मुआभजा करेंगे

عَقَدْتُمْ الْإِيمَانَ ۖ فَكَفَّارَتَهُ إِطْعَامُ عَشْرَةِ

तुम्हारी पुष्ता कस्मों में. फिर उस का कफ़ारा दस भिस्कीन को खाना खिलाना है

مَسْكِينٍ مِنْ أَوْسَطِ مَا تَطْعُبُونَ أَهْلِيكُمْ أَوْ كِسْوَتُهُمْ

उस दरमियानी खाने में से जो तुम अपने घर वालों को खिलाते हो या उन को कपडा देना है

أَوْ تَحْرِيرُ رَقَبَةٍ ۖ فَمَنْ لَمْ يَجِدْ فَصِيَامُ ثَلَاثَةِ أَيَّامٍ ۖ

या अेक गुलाम आजाद करना है. फिर जो उस को न पाये तो तीन दिन के रोजे हैं.

ذَلِكَ كَفَّارَةُ إِيْمَانِكُمْ إِذَا حَلَفْتُمْ ۖ وَاحْفَظُوا

ये तुम्हारी कस्मों का कफ़ारा है जब तुम कसम खा बैठो. और तुम अपनी कस्मों

إِيْمَانِكُمْ ۖ كَذَلِكَ يُبَيِّنُ اللَّهُ لَكُمْ آيَاتِهِ لَعَلَّكُمْ

की खिफ़ात करो. इसी तरह अल्लाह तुम्हारे लिये अपनी आयतें बयान करते हैं

تَشْكُرُونَ ﴿٩﴾ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا إِنَّمَا الْخَمْرُ

ताके तुम शुक अदा करो. अे ईमान वाले! शराब और जुवा और

وَالْمَيْسِرُ وَالْأَنْصَابُ وَالْأَزْلَامُ رِجْسٌ مِنْ عَمَلٍ

भुत और जुवे के तीर गन्दगी, शयतान के कामों में से हैं.

الشَّيْطَانِ فَاجْتَنِبُوا لَعَلَّكُمْ تَفْلِحُونَ ﴿١٠﴾ إِنَّمَا يُرِيدُ

ईस लिये तुम उन से बयो ताके तुम इलाह पाओ. शयतान तो सिई ये

الشَّيْطَانُ أَنْ يُوقِعَ بَيْنَكُمْ الْعَدَاوَةَ وَالْبَغْضَاءَ

याहता है के शराब और जुवे की वजह से तुम्हारे दरमियान

فِي الْخَمْرِ وَالْمَيْسِرِ وَيُضِدَّكُمْ عَنْ ذِكْرِ اللَّهِ

अदावत और भुगल ढाल दे और तुम्हें अल्लाह की याद से

وَعَنِ الصَّلَاةِ ۚ فَهَلْ أَنْتُمْ مُنْتَهُونَ ﴿١١﴾ وَأَطِيعُوا اللَّهَ

और नमाज से रोक दे. क्या फिर तुम भाज आते हो? और तुम अल्लाह की ईताअत करो

وَأَطِيعُوا الرَّسُولَ وَاحْذَرُوا ۚ فَإِن تَوَلَّيْتُمْ

और रसूल की ईताअत करो और बयते रहो. फिर अगर तुम मुंड ईर लोगे तो जान लो के

فَاعْلَمُوا أَنَّمَا عَلَى رَسُولِنَا الْبَلْغُ الْمُبِينُ ﴿١٢﴾ لَيْسَ

उमारे पैगम्बर के जिम्मे सिई साइ साइ पड़ोया देना है. उन लोगों

عَلَى الَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ جُنَاحٌ

पर जो ईमान लाये और नेक अमल करते रहे, उन पर कोई गुनाह नहीं है

فِيمَا طَعِمُوا إِذَا مَا اتَّقَوْا وَآمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ

उस में जो वो पेटले भा युके जब के वो मुत्तकी रहे और ईमान लाये और नेक अमल करते रहे,

ثُمَّ اتَّقَوْا وَآمَنُوا ثُمَّ اتَّقَوْا وَأَحْسَنُوا ۗ وَاللَّهُ

फिर वो मुत्तकी रहे और ईमान लाये, फिर मुत्तकी रहे और निकोकार रहे. और अल्लाह

يُحِبُّ الْمُحْسِنِينَ ﴿١٧﴾ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا لِيَبْلُوتَكُمْ

नेकी करने वालों से मडुबत इरमाते हैं. ओ ईमान वालो! अल्लाह तुम्हें उरर

اللَّهُ بِشَيْءٍ مِّنَ الصَّيْدِ تَنَالَهُ أَيْدِيكُمْ وَرِمَاحُكُمْ

आजमायेंगे किसी कहर शिकार के उरिये जिन को पडोयते डोंगे तुम्हारे डथ और तुम्हारे नेजे,

لِيَعْلَمَ اللَّهُ مَن يَخَافُهُ بِالْغَيْبِ ۗ فَمَنِ اعْتَدَىٰ بَعْدَ

ईस लिये ताके अल्लाह मालूम करे उस शम्स को जो अल्लाह से डरता है बगैर डेभे. फिर भी उस के बाद

ذَلِكَ فَلَهُ عَذَابٌ أَلِيمٌ ﴿١٨﴾ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا لَا تَقْتُلُوا

जो उयाहती करेगा तो उस के लिये दहनाक अजाब है. ओ ईमान वालो! तुम शिकार मत कतल

الصَّيْدَ وَأَنْتُمْ حُرْمٌ ۗ وَمَن قَتَلَهُ مِنْكُمْ مُّتَعَدًّا

करो ईस डाल में के तुम मुडरिम डो. और जो तुम में से उस को कतल करेगा जान भूज कर

فَجَزَاءٌ مِّثْلُ مَا قَتَلَ مِنَ النَّعْمِ يَحْكُمُ بِهِ ذَوَا عَدْلٍ

तो भदला देना है उसी जैसा यौपाया जो उस ने कतल किया, जिस का डैसला करेंगे तुम में से डो आदिल

مِّنكُمْ هَدْيًا بَلِغَ الْكَعْبَةِ أَوْ كَفَّارَةً طَعَامٍ مَّسْكِينٍ

आदमी, जो डदी बन कर काभा को पडोयने वाली डो, या कइरारा देना है मिसकीनों का पाना

أَوْ عَدْلٌ ذَلِكِ صِيَامًا لِّيَذُوقَ وَبَالَ أَمْرِ ۗ عَفَا

या उस के बराबर रोडे रबने हैं ताके वो अपने गुनाह के वडाल को यभे. अल्लाह ने माइ कर

اللَّهُ عَمَّا سَلَفَ ۗ وَمَن عَادَ فَيَنْتَقِمُ اللَّهُ مِنْهُ ۗ

दिया उस को जो पेटले डो युका. और जो डोबारा ऐसा करेगा तो अल्लाह उस से ईन्तिकाम लेंगे.

وَاللَّهُ عَزِيزٌ ذُو انْتِقَامٍ ﴿١٩﴾ أَجَلٌ لَّكُمْ صَيْدُ الْبَحْرِ

और अल्लाह उबरदस्त है, ईन्तिकाम लेने वाले हैं. तुम्हारे लिये डलाल किया गया समन्दर का शिकार

وَ طَعَامُهُ مَتَاعًا لَّكُمْ وَلِلسَّيَّارَةِ ۗ وَ حُرِّمَ عَلَيْكُمْ

और उस का पाना तुम्हारे झंझड़े के लिये और मुसाफ़िरों के लिये. और तुम पर उराम किया गया

صَيْدُ الْبَرِّ مَا دُمْتُمْ حُرْمًا ۗ وَ اتَّقُوا اللَّهَ الَّذِي

भुशकी का शिकार जब तक तुम मुहरिम हो. और उस अल्लाह से डरो

إِلَيْهِ تُحْشَرُونَ ﴿١٧﴾ جَعَلَ اللَّهُ الْكَعْبَةَ الْبَيْتَ

जिस की तरफ़ तुम धकड़े किये जाओगे. अल्लाह ने काबा को हुरमत वाला घर बनाया,

الْحَرَامَ قِيَمًا لِلنَّاسِ وَالشَّهْرَ الْحَرَامَ وَالْهَدْيَ

ध-सानों के क्रियाम का जरिया बनाया, और अल्लाह ने हुरमत वाले महीने और उद्दी के जानवरों को

وَ الْقَلَائِدَ ۗ ذَٰلِكَ لِيَتَعَلَّمُوا أَنَّ اللَّهَ يَعْلَمُ مَا

और उन के गले में पडे हुवे पट्टों को (अमन का जरिया बनाया). ये धस लिये ताके तुम जान लो के

فِي السَّمَوَاتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ وَأَنَّ اللَّهَ بِكُلِّ شَيْءٍ

अल्लाह जानता है उस को जो आस्मानों और जमीन में है और ये के अल्लाह हर चीज को भूब

عَلِيمٌ ﴿١٨﴾ اِعْلَمُوا أَنَّ اللَّهَ شَدِيدُ الْعِقَابِ وَأَنَّ اللَّهَ

जानने वाले है. जान लो के यकीनन अल्लाह सप्त सजा देने वाले है और ये के अल्लाह

عَفُورٌ رَّحِيمٌ ﴿١٩﴾ مَا عَلَى الرَّسُولِ إِلَّا الْبَلْغُ ۗ وَاللَّهُ

भपशने वाले, निहायत रहम वाले है. रसूल के जिम्मे नहीं है मगर पड़ोया देना. और अल्लाह

يَعْلَمُ مَا تُبْدُونَ وَمَا تَكْتُمُونَ ﴿٢٠﴾ قُلْ لَا يَسْتَوِي

भूब जानता है उसे जो तुम जाहिर करते हो और जो तुम छुपाते हो. आप इरमा दीजिये के नापाक

الْحَبِيثُ وَالطَّيِّبُ وَلَوْ أَعْجَبَكَ كَثْرَةُ الْحَبِيثِ ۗ فَاتَّقُوا

और पाकीजा दोनों बराबर नहीं हो सकते अगरये गन्दी चीज की कसरत तुजे अरुणी लगे.

اللَّهُ يَاوَلِي الْأَبَابِ لَعَلَّكُمْ تَفْلِحُونَ ﴿٢١﴾ يَا أَيُّهَا

तो अल्लाह से डरो अे अकल वालो! ताके इलाह पाओ. अे धिमान वालो! बडोत सी

الَّذِينَ آمَنُوا لَا تَسْأَلُوا عَنْ أَشْيَاءَ إِنْ تُبَدَّ لَكُمْ

चीजों के मुतअद्लिक सवाल मत करो के अगर वो तुम्हारे सामने जाहिर की जाअें तो तुम्हें भुरी लगें.

تَسْأَلُكُمْ ۗ وَإِنْ تَسْأَلُوا عَنْهَا حِينَ يُنزَّلُ الْقُرْآنُ

और अगर सवाल करोगे उन चीजों के मुतअद्लिक जिस वकत कुर्आन नाजिल किया जा रहा है तो वो

تُبَدَّ لَكُمْ عَفَا اللَّهُ عَنْهَا ۖ وَاللَّهُ غَفُورٌ حَلِيمٌ ﴿١١﴾

तुम्हारे लिये जाहिर कर दी जाएगी. साबिका सवालात अल्लाह ने माफ़ कर दिये. और अल्लाह

قَدْ سَأَلَهَا قَوْمٌ مِّنْ قَبْلِكُمْ ثُمَّ أَصْبَحُوا بِهَا

बपशने वाले, डिह्लम वाले हैं. तुम से पेहले अक कौम ने धन थीओं का सवाल किया, फिर वो उस के

كُفْرِينَ ﴿١٢﴾ مَا جَعَلَ اللَّهُ مِنْ بَحِيرَةٍ وَلَا سَائِبَةٍ

साथ कुफ़ करने वाले बन गये. अल्लाह ने नही बनाया बहीरा और न साईबा

وَلَا وَصِيلَةٍ وَلَا حَامٍ ۖ وَلَكِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا

और न वसीला और न डाम. लेकिन वो लोग जो काफ़िर हैं

يَفْتَرُونَ عَلَى اللَّهِ الْكُذِبَ ۖ وَكَثْرُهُمْ لَا يَعْقِلُونَ ﴿١٣﴾

वो अल्लाह पर जूठ घडते हैं. और उन में से अकसर अकल नही रखते.

وَإِذَا قِيلَ لَهُمْ تَعَالَوْا إِلَىٰ مَا أَنْزَلَ اللَّهُ

और जब उन से कडा जाता है के तुम आओ उस की तरफ़ जो अल्लाह ने उतारा और रसूल

وَإِلَى الرَّسُولِ قَالُوا حَسْبُنَا مَا وَجَدْنَا عَلَيْهِ آبَاءَنَا ۖ

की तरफ़ तो वो केडते हैं के हमारे लिये काफ़ी है वो जिस पर हम ने अपने बाप दादा को पाया.

أَوَلَوْ كَانَ آبَاؤُهُمْ لَا يَعْلَمُونَ شَيْئًا وَلَا يَهْتَدُونَ ﴿١٤﴾

क्या अगरये उन के बाप दादा कुछ भी जानते नही थे और डिहायतयाफ़ता नही थे?

يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا عَلَيْكُمْ أَنْفُسَكُمْ ۖ لَا يَضُرُّكُمْ

ओ धिमान वालो! तुम अपनी फिर करो. तुम्हें जरर नही हे सकता वो शफ्स जो गुमराड

مِّنْ صَلَّ إِذَا اهْتَدَيْتُمْ ۖ إِلَى اللَّهِ مَرْجِعُكُمْ جَمِيعًا

डो गया जब तुम डिहायतयाफ़ता रडोगे. अल्लाह ही की तरफ़ तुम सब को लौट कर जाना है,

فِيئْسَئُكُمْ بِمَا كُنْتُمْ تَعْمَلُونَ ﴿١٥﴾ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا

फिर वो तुम्हें भबर देगा उन कामों के मुतअद्लिक जो तुम करते थे. ओ धिमान वालो!

شَهَادَةٌ بَيْنَكُمْ إِذَا حَضَرَ أَحَدَكُمُ الْمَوْتُ حِينَ

तुम्हारे दरमियान की गवाही जब तुम में से किसी अक की मौत का वकत करीब आ जाए, तो

الْوَصِيَّةِ اثْنِ ذَوَا عَدْلٍ مِّنكُمْ أَوْ أُخْرِنَ مِنْ غَيْرِكُمْ

वसीयत के वकत तुम में से दो आदिल आदमी हैं या तुम्हारे अलावा में से दो,

إِنْ أَنْتُمْ صَرَبْتُمْ فِي الْأَرْضِ فَأَصَابَتْكُمْ مُصِيبَةٌ

अगर तुम जमीन में सफ़र करो, फिर तुम्हें मौत की मुसीबत पड़ोये, तो तुम उन दोनो

الْمَوْتِ تَحْسِبُونَهُمَا مِنْ بَعْدِ الصَّلَاةِ فَيُقْسِمِينَ بِاللَّهِ

गवाहों को रोक लो नमाज़ के बाद, फिर वो अल्लाह की कसम पाओ, अगर तुम शक करो,

إِنْ ارْتَبْتُمْ لَا نَشْتَرِي بِهِ ثَمَنًا وَلَوْ كَانَ ذَا قُرْبَىٰ

के हम इस कसम को किसी कीमत पर नहीं बेच रहे, अगर ये करीबी रिश्तेदार ही कयून हो, और न हम

وَلَا نَكْتُمُ شَهَادَةَ اللَّهِ إِنَّا إِذَا لَمِنَ الْارْتِبِينَ ﴿١٥﴾ فَإِنْ عَثَرَ

अल्लाह की गवाही को छुपाते हैं. यकीनन तब तो हम गुनेहगारों में से बन जायेंगे. फिर अगर छिपला

عَلَىٰ أَنَّهُمَا اسْتَحَقَّا إِثْمًا فَأَخْرَجْنَا يَوْمَ مَقَامِهِمَا

मिल जाये इस बात की के वो दोनो (कसम पाने वाले) गुनाह के मुस्तहिक हुवे हैं (उक हभा कर के) तो फिर दूसरे दो आदमी

مِنَ الَّذِينَ اسْتَحَقَّ عَلَيْهِمُ الْأَوْلَايَيْنِ فَيُقْسِمِينَ بِاللَّهِ

मथित के करीबी रिश्तेदार उन के कथम मुकाम हो उन में से जिन का उक हभा है, फिर वो दोनो अल्लाह की कसम पाओ

لشَهَادَتِنَا أَحَقُّ مِنْ شَهَادَتِهِمَا وَمَا اعْتَدَيْنَا ۗ إِنَّا

के यकीनन हमारी गवाही उन (पेहले वालो) की गवाही से जयादा सखी है और हम ने जयादती नहीं की. तब तो

إِذَا لَمِنَ الظَّالِمِينَ ﴿١٦﴾ ذَلِكَ أَدْنَىٰ أَنْ يَأْتُوا بِالشَّهَادَةِ

हम ही कुसूरवार बन जायेंगे. ये इस के जयादा करीब है के वो गवाही को अदा करें

عَلَىٰ وَجْهَهَا أَوْ يَخَافُوا أَنْ تُرَدَّ أَيْمَانٌ بَعْدَ أَيْمَانِهِمْ ۗ

उस के तरीके पर या वो डरें इस से के उन की कसमों के बाद दूसरी कसमें ली जायेंगी.

وَاتَّقُوا اللَّهَ وَأَسْمَعُوا ۗ وَاللَّهُ لَا يَهْدِي الْقَوْمَ

और तुम अल्लाह से डरो और सुनो. और अल्लाह नाफ़रमान कौम को हिदायत नहीं

الْفَاسِقِينَ ﴿١٧﴾ يَوْمَ يَجْمَعُ اللَّهُ الرُّسُلَ فَيَقُولُ مَاذَا

हेते. जिस दिन अल्लाह पैगम्बरों को जमा करेगे, फिर पूछेगे के तुम्हें क्या

أُحْبَبْتُمْ قَالُوا لَا عِلْمَ لَنَا ۗ إِنَّكَ أَنْتَ عَلَّامُ الْغُيُوبِ ﴿١٨﴾

जवाब दिया गया? वो कहेंगे के हमें मालूम नहीं. यकीनन तू ही गैब की चीजों को जानने वाला है.

إِذْ قَالَ اللَّهُ لِيَعْسَىٰ ابْنِ مَرْيَمَ اذْكُرْ نِعْمَتِي

जब के अल्लाह ने इरमाया के अे इसा एब्ने मरयम (अलैडिस्सलाम)! याद करो मेरी उस नेअमत को

عَلَيْكَ وَعَلَىٰ وَالِدَتِكَ إِذْ أَيَّدتُّكَ بِرُوحِ الْقُدُسِ

जो आप पर हुई और आप की वलिदा पर. जब के मैं ने तुम्हारी ताईद की रूहुल कुदूस के जरिये.

تُكَلِّمُ النَّاسَ فِي الْهَدَىٰ وَكُهَلَىٰ ۖ وَإِذْ عَلَّمْتِكَ

तुम धन्सानों से कलाम करते थे गेहवारे में और बडी उम्र में. और जब मैं ने

الْكِتَابَ وَالْحِكْمَةَ وَالتَّوْرَةَ وَالْإِنْجِيلَ ۖ وَإِذْ تَخُوُّ

तुम्हें किताब और हिकमत और तौरात और इन्जिल की तालीम दी. और जब तुम

مِنَ الطَّيْرِ كَهَيْئَةِ الطَّيْرِ بِأَذْنِي فَتَنْفُخُ فِيهَا

भिडी से परिन्हे की शकल बनाते थे मेरे हुकम से, फिर तुम उस में झूंक मारते थे,

فَتَكُونُ طَيْرًا بِأَذْنِي وَتُبْرِئُ الْأَكْمَهَ وَالْأَبْرَصَ

फिर वो उडता हुवा परिन्हा बन जाता था मेरे हुकम से, और तुम नाबीना और बर्स वाले को मेरे हुकम से

بِأَذْنِي ۖ وَإِذْ تُخْرِجُ السَّوْتَىٰ بِأَذْنِي ۖ وَإِذْ كَفَفْتُ بَنِي

अरध्या करते थे और जब तुम मुरहों को मेरे हुकम से (जिन्हा कर के) निकालते थे. और जब मैं ने बनी

إِسْرَائِيلَ عَنكَ إِذْ جِئْتَهُمْ بِالْبَيِّنَاتِ فَقَالَ الَّذِينَ

ईस्राईल को तुम से रोका जब आप उन के पास मोअजिजात ले कर आये, फिर उन में से

كَفَرُوا مِنْهُمْ إِنْ هَذَا إِلَّا سِحْرٌ مُّبِينٌ ﴿١٠﴾ وَإِذْ

काफ़िरो ने कडा बस, ये तो भुला जादू है. और जब मैं ने वडी की

أَوْحَيْتُ إِلَىٰ الْحَوَارِيِّينَ أَنْ آمِنُوا بِي وَبِرَسُولِي ۗ قَالُوا

उवारीय्हीन की तरफ़ के तुम मुज पर और मेरे पैगम्बर पर इमान लाओ. तो उन्हों ने कडा के

أَمْنَا وَآشْهَدُ بِأَنَّا مُسْلِمُونَ ﴿١١﴾ إِذْ قَالَ الْحَوَارِيُّونَ

उम इमान ले आये और आप गवाह रछिये के उम मुसलमान हैं. जब के उवारीय्हीन ने कडा

يَعِيسَىٰ ابْنَ مَرْيَمَ هَلْ يَسْتَطِيعُ رَبُّكَ أَنْ يُنَزِّلَ

अे ईसा इब्ने मरयम! क्या आप का रब ईस की ताकत रभता है के उमारे उपर आस्मान से

عَلَيْنَا مَائِدَةً مِنَ السَّمَاءِ ۗ قَالَ اتَّقُوا اللَّهَ إِنَّ كُنْتُمْ

भाईदा (भरा हुवा दस्तरख्वान) उतारे. ईसा (अलैहिस्सलाम) ने इरमाया के अद्लाह से डरो अगर तुम

مُؤْمِنِينَ ﴿١٢﴾ قَالُوا نُرِيدُ أَنْ نَأْكُلَ مِنْهَا وَتَطْبِئَنَ

मोमिन डो. उन्हों ने कडा के उम ये याडते हैं के उस से भाअें और उमारे हिल

فُلُوبُنَا وَ نَعْلَمَ أَنْ قَدْ صَدَقْتَنَا وَ نَكُونُ عَلَيْهَا

मुल्मईन हों और हम मालूम कर लें के आप ने हम से सच बोला है और हम उस पर गवाही

مِنَ الشَّاهِدِينَ ﴿١١٣﴾ قَالَ عِيسَى ابْنُ مَرْيَمَ اللَّهُمَّ

देने वालों में से हो जाओ. ईसा ईबने मरयम (अलैहिस्सलाम) ने कहा ओ अल्लाह!

رَبَّنَا أَنْزِلْ عَلَيْنَا مَائِدَةً مِنَ السَّمَاءِ تَكُونُ لَنَا

ओ हमारे रब! तू हम पर आस्मान से तारा हुवा दस्तरख्वान उतार जो हमारे अगले और

عَيْدًا لِأَوْلَادِنَا وَ آخِرِنَا وَ آيَةً مِّنكَ ۚ وَارْتُقْنَا وَ أَنْتَ

पिछलों के लिये भुशी का भाईस बने और तेरी तरफ से निशानी हो. और आप हमें रोजी दीजिये

خَيْرُ الرِّزْقَيْنِ ﴿١١٤﴾ قَالَ اللَّهُ إِنِّي مُنَزِّلُهَا عَلَيْكُمْ ۚ

और आप बेहतरीन रोजी देने वाले हैं. अल्लाह ने इरमाया के में उसे उताड़ंगा तुम पर.

فَمَنْ يَكْفُرْ بَعْدُ مِنْكُمْ فَإِنِّي أَعَذِّبُهُ عَذَابًا

लेकिन उस के बाद तुम में से जो कुफ़ करेगा तो मैं उसे ऐसा अजाब दूंगा के

لَا أَعَذِّبُهُ أَحَدًا مِّنَ الْعَالَمِينَ ﴿١١٥﴾ وَإِذْ قَالَ اللَّهُ

जहान वालों में से किसी को वो अजाब नहीं दूंगा. और जब अल्लाह ने इरमाया के

لِعِيسَى ابْنِ مَرْيَمَ ءَأَنْتَ قُلْتَ لِلنَّاسِ اتَّخِذُونِي

ओ ईसा ईबने मरयम! क्या आप ने ई-सानों से कहा था के तुम मुजे और मेरी मां को अल्लाह को

وَ أُمَّيَ إِلَهَيْنِ مِّنْ دُونِ اللَّهِ ۗ قَالَ سُبْحَانَكَ مَا يَكُونُ

छोड कर दो माबुद बना लो. ईसा (अलैहिस्सलाम) ने कहा के आप पाक हैं, मेरे लिये मुनासिब नहीं था के

لِي أَنْ أَقُولَ مَا لَيْسَ لِي بِحَقِّ ۚ إِن كُنْتَ قُلْتَهُ فَقَدْ

मैं कहुं वो जिस का मुजे हक नहीं. अगर मैं ने वो कहा होता तो यकीनन आप को मालूम होता.

عَلِمْتَهُ ۗ تَعْلَمُ مَا فِي نَفْسِي وَلَا أَعْلَمُ مَا فِي نَفْسِكَ ۗ

(कयूं के) आप जानते हैं उस को जो मेरे दिल में है और मैं नहीं जानता उस को जो आप के ह में है.

إِنَّكَ أَنْتَ عَلَّامُ الْغُيُوبِ ﴿١١٦﴾ مَا قُلْتُ لَهُمْ إِلَّا

यकीनन आप तमाम छुपी हुई चीजों को भूब जानने वाले हैं. मैं ने तो उन से नहीं कहा मगर वही

مَا أَمَرْتَنِي بِهِ أَنْ أَعْبُدُوا اللَّهَ رَبِّي وَرَبَّكُمْ ۚ وَ كُنْتُ

जिस का आप ने मुजे हुकम दिया के तुम अल्लाह की ईबादत करो जो मेरा और तुम्हारा रब है.

١١٣

١١٤

وَقَدْ نَزَّلَ اللَّهُ كِتَابَهُ بِالْحَقِّ وَالْمَعْرُوفِ

عَلَيْهِمْ شَهِيدًا مَّا دُمْتُ فِيهِمْ فَلَمَّا تَوَفَّيْتَنِي كُنْتُ

और मैं उन पर गवाह था जब तक मैं उन में था. फिर जब आप ने मुझे उठा लिया

أَنْتَ الرَّقِيبَ عَلَيْهِمْ وَأَنْتَ عَلَى كُلِّ شَيْءٍ شَهِيدٌ ﴿١٤﴾

तो आप उन पर निगरान थे. और आप हर चीज देख रहे थे. अगर

إِنْ تُعَذِّبُهُمْ فَإِنَّهُمْ عَبْدُكَ وَإِنْ تُغْفِرْ لَهُمْ فَإِنَّكَ

आप उन्हें अजाब हैं तो यकीनन वो आप के बन्दे हैं. और अगर आप उन की मगफिरत कर दें तो

أَنْتَ الْعَزِيزُ الْحَكِيمُ ﴿١٥﴾ قَالَ اللَّهُ هَذَا يَوْمٌ يَنْفَعُ

यकीनन आप जबरदस्त हैं, छिक्मत वाले हैं. अल्लाह ने इरमाया के ये वो दिन है के

الصَّادِقِينَ صَدَقُهُمْ لَهُمْ جَنَّاتٌ تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا

सख्यों को उन की सख्याई नफ़ा देगी. उन के लिये जन्नतें होंगी जिन के नीचे से नहरें बहती होंगी,

الْأَنْهَارُ خَالِدِينَ فِيهَا أَبَدًا رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمْ وَرَضُوا

जिन में वो हमेशा रहेंगे. अल्लाह उन से राजी हुवा और वो अल्लाह से राजी

عَنْهُ ذَلِكَ الْفَوْزُ الْعَظِيمُ ﴿١٦﴾ لِلَّهِ مُلْكُ السَّمَوَاتِ

हुवे. ये भारी काम्याबी है. अल्लाह के लिये आस्मानों और जमीन और उन तमाम चीजों

وَالْأَرْضِ وَمَا فِيهِنَّ وَهُوَ عَلَى كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿١٧﴾

की सल्तनत है जो उन में है. और वो हर चीज पर कुदरत वाला है.

رُكُوعًا ٢ (٤) سُورَةُ الْأَنْعَامِ الْمَكِّيَّةِ (٥٥) آيَاتُهَا ١٦٥

और २० रुकूअ हैं सूरा अन्आम मक्का में नाजिल हुई इस में १६५ आयतें हैं

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

पण्डता हूँ अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निहायत रहम वाला है

الْحَدُّ لِلَّهِ الَّذِي خَلَقَ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضَ وَجَعَلَ

तमाम तारीकें उस अल्लाह के लिये हैं जिस ने आस्मान और जमीन पैदा किये और तारीकियों और नूर

الظُّلُمَاتِ وَالنُّورِ ثُمَّ الَّذِينَ كَفَرُوا بِرَبِّهِمْ يَعْدِلُونَ ﴿١﴾

को पैदा किया. फिर वो लोग जिन्होंने ने कुड़ किया, वो अपने रब के साथ दूसरे शुरका को बराबर करार देते हैं.

هُوَ الَّذِي خَلَقَكُمْ مِنْ طِينٍ ثُمَّ قَضَىٰ أَجَلَآءَ

वही अल्लाह है जिस ने तुम्हें मिट्टी से पैदा किया, फिर उस ने अक आभिरु मुदत का इंसला कर लिया.

وَأَجَلٌ مُّسَمًّى عِنْدَآ ثُمَّ أَنْتُمْ تَمْتَرُونَ ﴿۱﴾ وَهُوَ اللّٰهُ

और मुकर्रर की हुई आबिरी मुदत अद्लाड के पास है, फिर भी तुम शक करते हो? और वही अद्लाड आस्मानो

فِي السَّمٰوٰتِ وَفِي الْاَرْضِ ۚ يَعْلَمُ سِرَّكُمْ وَجَهْرَكُمْ

में भी है और जमीन में भी है. वो जानता है तुम्हारी युपके से कही हुई बात को और तुम्हारी ओर से

وَيَعْلَمُ مَا تَكْسِبُونَ ﴿۲﴾ وَمَا تَأْتِيهِمْ مِّنْ اٰيَةٍ

कही हुई बात को और वो जानता है उन आमाव को जो तुम करते हो. और उन के पास कोई निशानी

مِّنْ اٰيٰتِ رَبِّهِمْ اِلَّا كَانُوْا عَنْهَا مُعْرِضِيْنَ ﴿۳﴾ فَقَدْ

नही आती उन के रब की निशानियों में से मगर वो उस से औराज करते हैं. फिर

كَذَّبُوْا بِالْحَقِّ لَمَّا جَآءَهُمْ ۚ فَسَوْفَ يَأْتِيهِمْ

उन्हों ने उक को जूठलाया जब वो उन के पास आया. फिर अनकरीब उन के

اَنْبِؤًا مَا كَانُوْا بِهٖ يَسْتَهْزِءُوْنَ ﴿۴﴾ اَلَمْ يَرَوْا كَمْ

पास उन थीओं की भबरें आयेगी जिन का वो छिस्तडजा किया करते थे. क्या उन्हों ने देखा नही

اَهْلَكْنَا مِنْ قَبْلِهِمْ مِّنْ قَرْنٍ مَّكَّثُهمْ فِي الْاَرْضِ

के डम ने उन से पेडले कितनी कौमों को उलाक किया जिन को डम ने कुदरत दी थी जमीन में,

مَا لَمْ نُمَكِّنْ لَّكُمْ وَاَرْسَلْنَا السَّمَآءَ عَلَيْهِمْ مِّدْرَارًا

उत्नी जितनी डम ने तुम्हें कुदरत नही दी और डम ने उन पर आस्मान भरसता हुवा छोडा.

وَجَعَلْنَا الْاَنْهٰرَ تَجْرِيْ مِّنْ تَحْتِهِمْ فَاهْلَكْنٰهُمْ

और डम ने नेडरें बनाई जो उन के नीचे से बेडती थी, फिर डम ने उन को उलाक किया

بِذُنُوْبِهِمْ وَاَنْشَأْنَا مِنْۢ بَعْدِهِمْ قَرْنًا اٰخَرِيْنَ ﴿۵﴾

उन के गुनाहों की वजह से और डम ने उन के बाद दूसरी कौमों पैदा की.

وَلَوْ نَزَّلْنَا عَلَيْكَ كِتٰبًا فِى قِرطَاسٍ فَلَمَسُوْهُ

और अगर डम आप के उपर कागज में लिखी हुई किताब उतारते, फिर वो उस को अपने डायों से

بِاَيْدِيْهِمْ لَقَالَ الَّذِيْنَ كَفَرُوْا اِنْ هٰذَا اِلَّا سِحْرٌ

छूते, तब भी काफिर लोग केडते के ये नही है मगर भुला जादू. और उन्हों ने

مُّبِيْنٌ ﴿۶﴾ وَاَقَالُوْا لَوْلَا اَنْزَلَ عَلَيْهِ مَلَكٌ ۚ وَلَوْ

कहा के इस नबी पर कोई इरिश्ता कयूं नही उतारा गया? और अगर डम इरिश्ता उतारते तो

أَنْزَلْنَا مَلَكًا لِّقَضَى الْأَمْرِ ثُمَّ لَا يُنظَرُونَ ﴿٥﴾ وَلَوْ جَعَلْنَاهُ

अलबत्ता मुआमला पतम कर दिया जाता, फिर उन्हें मोड़लत न दी जाती. और अगर हम उस को

مَلَكًا جَعَلْنَاهُ رَجُلًا وَ لَلْبَسْنَا عَلَيْهِمْ مَا يَلْبِسُونَ ﴿٦﴾

इरिश्ता बनाते तो उस इरिश्ते को भी भई बनाते, और हम उन पर वही शुभल डल देते जिस शुभल में

وَلَقَدْ اسْتَهْزَأُوا بِرُسُلٍ مِّنْ قَبْلِكَ فَحَاقَ بِالَّذِينَ

वो अब हैं. यकीनन आप से पेडले पैगम्बरों का भी इस्तिहजल किया गया, फिर उन में से मजलक करने

سَخَرُوا مِنْهُمْ مَّا كَانُوا بِهِ يَسْتَهْزِءُونَ ﴿٧﴾ قُلْ

वल्लों को उस अजलब ने घेर लिया जिस का वो इस्तिहजल किया करते थे. आप इरमा दीजिये

سَيَرُوا فِي الْأَرْضِ ثُمَّ انظُرُوا كَيْفَ كَانَ عَاقِبَةُ

के तुम जमीन में यलो इरि, फिर देओ के जूठलाने वल्लों का अ-जलम कैसा हुवा. आप

الْمُكَذِّبِينَ ﴿٨﴾ قُلْ لِمَنْ مَّا فِي السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ

इरमा दीजिये के किस की मिल्क हैं वो तमलम थीरें जो आस्मलनों में हैं और जमीन में हैं? आप इरमा

قُلْ لِلَّهِ ۖ كَتَبَ عَلَى نَفْسِهِ الرَّحْمَةَ ۖ لِيَجْمَعَنَّكُمْ

दीजिये ये अल्ललल डी की हैं. अल्ललल ने अपनी जलत पर रडमत ललजिम कर ली है. जरूर वो

إِلَى يَوْمِ الْقِيَامَةِ لَا رَيْبَ فِيهِ ۗ الَّذِينَ خَسِرُوا أَنفُسَهُمْ

तुम्हे जलमा करेगा क्यलमत के दिन जिस में कोर शक नडी. वो ललग जिन्डों ने अपनी जलनों को भसारे में डलल है, वो

فَهُمْ لَا يُؤْمِنُونَ ﴿٩﴾ وَلَهُ مَا سَكَنَ فِي اللَّيْلِ وَالنَّهَارِ

इमलन नडी ललअंगे. और अल्ललल की मिल्क हैं वो तमलम थीरें जो रलत और दिन में सुकून डलसिल करती हैं.

وَهُوَ السَّمِيعُ الْعَلِيمُ ﴿١٠﴾ قُلْ أَغَيَّرَ اللَّهُ مَا اتَّخَذَ وَلِيًّا

और वडी अल्ललल सुनने वललल, इल्म वललल है. आप इरमा दीजिये के क्यल मैं अल्ललल के अलललल को दोस्त भनलई,

فَأَطَرَ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ وَهُوَ يُطْعِمُ وَلَا يُطْعَمُ

जो अल्ललल आस्मलनों और जमीन को पैदल करने वललल है और वो भलनल देतल है और उसे भलनल नडी दिया जलतल.

قُلْ إِنِّي أُمِرْتُ أَنْ أَكُونَ أَوَّلَ مَنْ أَسْلَمَ

आप इरमा दीजिये के मुजे इस का हुकम है के मैं सभ से अल्ललल इरमलंभरदलर भनूं

وَلَا تَكُونَنَّ مِنَ الْمُشْرِكِينَ ﴿١١﴾ قُلْ إِنِّي أَخَافُ إِنْ

और आप मुशरिकीन में से डरगिल न भनूं. आप इरमा दीजिये के अगर मैं भेरे रड की नलइरमलनी

عَصَيْتُ رَبِّي عَذَابَ يَوْمٍ عَظِيمٍ ﴿٥﴾ مَنْ يُصْرَفْ

कड़ तो में तारी दिन के अजाब से उरता हूँ, जिस शप्स से उस दिन वो अजाब

عَنْهُ يَوْمَئِذٍ فَقَدْ رَحِمَهُ ۖ وَذَلِكَ الْفَوْزُ الْبَيِّنُ ﴿٦﴾

उटा दिया जायेगा, तो यकीनन अल्लाह ने उस पर रहम इरमाया. और ये जुली काम्याबी है.

وَإِنْ يَسْأَلْكَ اللَّهُ بَصْرًا فَلَا كَاشِفَ لَهُ إِلَّا هُوَ ۗ

और अगर अल्लाह आप को जरूर पछोयाये तो सिवाये उस के कोई उस को दूर नहीं कर सकता.

وَإِنْ يَسْأَلْكَ بِخَيْرٍ فَهُوَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٧﴾

और अगर अल्लाह आप को भलाई पछोयाये तो वो हर चीज पर कुदरत वाला है.

وَهُوَ الْقَاهِرُ فَوْقَ عِبَادِهِ ۗ وَهُوَ الْحَكِيمُ الْخَبِيرُ ﴿٨﴾

और वो अपने बन्दों पर गालिब है. और वो डिक्मत वाला, भबर रहने वाला है. आप इरमा

قُلْ أَيُّ شَيْءٍ أَكْبَرُ شَهَادَةً ۗ قُلْ اللَّهُ ۖ شَهِيدٌ

दीजिये के कौन सी चीज शहादत के अतेबार से सब से बडी है? आप इरमा दीजिये के अल्लाह! मेरे

بَيْنِي وَبَيْنَكُمْ ۖ وَأَوْحَىٰ إِلَىٰ هَذَا الْقُرْآنِ لِأُنذِرَكُمْ

और तुम्हारे दरमियान गवाह है. और मेरी तरफ ये कुर्आन वही किया गया ताके में उस के जरिये

بِهِ ۖ وَمَنْ بَلَغَ ۗ أَيُّكُمْ لَتَشْهَدُونَ ۚ أَنْ

तुम्हें उराउ और उन्हे भी उराउ जिन को ये कुर्आन पछोये. क्या तुम गवाही देते हो के अल्लाह के साथ

مَعَ اللَّهِ إِلَهًا آخَرَ ۗ قُلْ لَا أَشْهَدُ ۚ قُلْ إِنَّمَا هُوَ إِلَهُ

दूसरे माबूह भी हें? आप इरमा दीजिये के में तो गवाही नहीं देता. आप इरमा दीजिये के वो तो सिर्फ

وَإِحْدٌ وَإِنِّي بَرِيءٌ ۚ مِمَّا تُشْرِكُونَ ﴿٩﴾ الَّذِينَ اتَّيَبَهُمْ

यकता माबूह है और ये के में बरी हूँ उन चीजों से जिन को तुम शरीक ठेडराते हो. वो लोग जिन को उम ने

الْكِتَابَ يَعْرِفُونَهُ كَمَا يَعْرِفُونَ أَبْنَاءَهُمْ ۗ الَّذِينَ

किताब दी वो आप (सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम) को पेडयानते हैं जैसा के वो अपने भेटों को पेडयानते हैं.

خَسِرُوا أَنفُسَهُمْ فَهُمْ لَا يُؤْمِنُونَ ﴿١٠﴾ وَمَنْ أَظْلَمُ

वो लोग जिन्हों ने अपनी जानों को भसारे में डाला है अब वो ईमान नहीं लायेंगे. और उस से

مِمَّنْ افْتَرَىٰ عَلَى اللَّهِ كَذِبًا أَوْ كَذَّبَ بِآيَاتِهِ ۗ إِنَّهُ

जयादा जालिम कौन डोगा जो अल्लाह पर जूठ घडे या उस की आयतों को जूठलाये? यकीनन

لَا يُفْلِحُ الظَّالِمُونَ ﴿۱۱﴾ وَيَوْمَ نَحْشُرُهُمْ جَمِيعًا ثُمَّ نَقُولُ

آلیم لوگ ءلاؤ نڈی پائےگے. اور جس دین ءم ءنڈے ءککڑا کرےگے, ءیر ءم

لِلَّذِينَ أَشْرَكُوا آيِنَ شُرَكَائِكُمْ الَّذِينَ كُنْتُمْ

موشرکیوں سے کڈےگے تومڈارے وو شڑکا کڈاں هے جین کا توم ءاوا کړیا

تَزْعُمُونَ ﴿۱۲﴾ ثُمَّ لَمْ تَكُنْ فَتَنَّهُمْ إِلَّا أَنْ قَالُوا وَاللَّهِ

کرته थे? ءیر ءن کا جواہب نڈی ءوگا مگر یہ کے وو کڈےگے کے ءمارے رہ اءلاؤ کړی کسوم!

رَبَّنَا مَا كُنَّا مُشْرِكِينَ ﴿۱۳﴾ أَنْظِرْ كَيْفَ كَذَبُوا

ءم شړک نڈی کرتے थे. آپ ءہبہیہ کے کےسے ءنڈوں نے اپنی جانوں کے ہلاک

عَلَىٰ أَنفُسِهِمْ وَضَلَّ عَنْهُمْ مَا كَانُوا يَفْتَرُونَ ﴿۱۴﴾ وَمِنْهُمْ

جھ بولا اور ءن سے ہو جائےگے جو وو جھ ءڈا کرتے थे. اور ءن مے سے کڈھ لوگ

مَنْ يَسْتَبِعْ إِلَيْكَ ۚ وَجَعَلْنَا عَلَىٰ قُلُوبِهِمْ أَكِنَّةً

وہ هے جو آپ کړی ترء کان لگاتے هے. اور ءم نے ءن کے ءیلوں پر پرءے رہ ءہیہ هے ءس سے کے

أَنْ يَفْقَهُوهُ وَفِي آذَانِهِمْ وَقْرًا ۖ وَإِنْ يَرَوْا كَلًّا آيَةً

وہ ءس کو سمجھے اور ءن کے کانوں مے ڈاٹ رہ ءی هے. اور اگر وو تمام موءجڑاٹ ہہی ءہب لےگے

لَا يُؤْمِنُوا بِهَا ۖ حَتَّىٰ إِذَا جَاءُوكَ يُجَادِلُونَكَ يَقُولُ

تہ ہہی ءن پر ءہمان نڈی لائےگے. یڈاں تک کے جہ وو آپ کے پاس آتے هے تو آپ سے جہڈتے

الَّذِينَ كَفَرُوا إِنَّ هَذَا إِلَّا آسَاطِيرُ الْأَوَّلِينَ ﴿۱۵﴾ وَهُمْ

ہوے کافر لوگ کےڈتے هے کے یہ نڈی هے مگر پہلے لوگوں کړی ءڈی کڈا نییاں. اور یہ

يَنْهَوْنَ عَنْهُ وَيَنْعُونَ عَنْهُ ۚ وَإِنْ يُهْلِكُونَ

ہوسروں کو ءس سے روکتے هے اور ہوڈ ہہی ءس سے ہر لگاتے هے. اور وو ءلاک نڈی کرتے مگر

إِلَّا أَنفُسَهُمْ وَمَا يَشْعُرُونَ ﴿۱۶﴾ وَلَوْ تَرَىٰ إِذْ وَقَفُوا

اپنی جانوں کو اور ءنڈے پتا نڈی. اور کاش کے آپ ءہبتے جہ وو آگ کے سامنے ہڈے کړیہ جائےگے,

عَلَى النَّارِ فَقَالُوا يَا لَيْتَنَا نُرَدُّ وَلَا نُكَذِّبُ بِآيَاتِ رَبِّنَا

ءیر وو کڈےگے کے کاش کے ءم ءہہہن مے ءوہارا لوٹاے جاتے اور ءم اپنے رہ کړی آیاٹ کو ن جھڈلاتے

وَنُكُونُ مِنَ السُّؤْمِنِينَ ﴿۱۷﴾ بَلْ بَدَأَ لَهُمْ مَا كَانُوا

اور ءم ءہمان لانے والوں مے سے ءوتے. ہلکے ءن کے سامنے ہول جائےگے وو جس کو وو ءس سے

يُخْفُونَ مِنْ قَبْلُ ۖ وَلَوْ رُدُّوا لَعَادُوا لِمَا نُهُوا عَنْهُ

پہلے ہی چھپا کر رہتے تھے۔ اور اگر وہ زمین میں لوٹا آئی دیکھ جائیں تو پھر وہی دوبارہ وہی کرنے لگیں گے جس

وَأَتَّهُمْ لَكِزْبُونَ ﴿١٨﴾ وَقَالُوا إِن هِيَ إِلَّا حَيَاتُنَا الدُّنْيَا

سے اٹھنے روکا گیا تھا اور یقیناً یہ جڑ بول رہے ہیں اور یہ کہتے ہیں کہ یہ جیندگی نہیں ہے مگر ہماری سیرکھنوی جیندگی،

وَمَا نَحْنُ بِبَعُوثِينَ ﴿١٩﴾ وَلَوْ تَرَى إِذْ وَقَفُوا عَلَى رَبِّهِمْ

اور ہم مرنے کے باوجود جیندگی کر کے اٹھنے نہیں جائیں گے۔ اور اگر آپ دیکھتے کہ وہ اپنے رب کے سامنے ہڈے کیسے

قَالَ أَلَيْسَ هَذَا بِالْحَقِّ قَالُوا بَلَىٰ وَرَبِّنَا ۚ قَالَ فَذُوقُوا

جائیں گے تو اذیتیں دے رہا ہے کہ تمہاری کیا ہے؟ تو وہ کہیں گے کھیں نہیں؟ ہماری رب کی قسم! اذیتیں

العَذَابِ بِمَا كُنْتُمْ تَكْفُرُونَ ﴿٢٠﴾ قَدْ خَسِرَ الَّذِينَ كَذَّبُوا

ہے تمہاری کہ تم کفر کرتے ہو۔ یقیناً تم کو نقصان پہنچا ہے ان لوگوں نے جنہوں نے

بِلِقَاءِ اللَّهِ حَتَّىٰ إِذَا جَاءَتْهُمْ السَّاعَةُ بَغْتَةً قَالُوا

اذیتوں کی پہنچنے تک کہ جب ان کے پاس کیا مدت آجائے گی تو وہ کہیں گے

يُخَسِّرَتْنَا عَلَىٰ مَا فَطَرْنَا فِيهَا ۚ وَهُمْ يَحْمِلُونَ أَوْزَارَهُمْ

اپنی افسوس ہماری اس کوتاہی پر جو ہم نے کیا مدت کے بارے میں کی۔ اور وہ اپنے گناہ اٹھا رہے ہوں گے

عَلَىٰ ظُهُورِهِمْ ۖ إِلَّا سَاءَ مَا يَزِرُونَ ﴿٢١﴾ وَمَا الْحَيَاةُ

اپنی پشتوں پر۔ سناؤ! بُرا ہے جو بوجھ جو وہ اٹھا رہے ہیں۔ اور یہ کھنوی جیندگی

الدُّنْيَا إِلَّا لَعِبٌ وَلَهْوٌ وَلَلدَّارُ الْآخِرَةُ خَيْرٌ

نہیں ہے مگر پھل اور اذیتوں سے گائیڈ کرنے والی۔ اور اذیتوں کا پیڑھا ہر بہتر ہے

لِلَّذِينَ يَتَّقُونَ ۖ أَفَلَا تَعْقِلُونَ ﴿٢٢﴾ قَدْ نَعْلَمُ إِنَّهُ

ان کے لیے جو متقی ہیں۔ کیا تمہیں نہیں ہے؟ یقیناً ہم نے سنا ہے کہ آپ کو

لِيَحْزَنَكَ الَّذِي يَقُولُونَ فَإِنَّهُمْ لَا يُكَذِّبُونَكَ

گمراہی کرتی ہے جو بات کہتے ہیں، کہ یہ کھنوی آپ کو جڑا نہیں کہتے،

وَلَكِنَّ الظَّالِمِينَ بِآيَاتِ اللَّهِ يَجْحَدُونَ ﴿٢٣﴾ وَلَقَدْ كَذَّبَتْ رَسُولٌ

لیکن یہ ظالمین اللہ کی آیتوں کو کھنوی کرتے ہیں۔ یقیناً آپ سے پہلے پیغمبروں کو جڑا گیا،

مِّن قَبْلِكَ فَصَبْرًا عَلَىٰ مَا كُذِّبُوا وَأُوذُوا حَتَّىٰ

ہیں انہوں نے سب سے پہلے ان کو جڑا دیا اور ان کو کھنوی کرنے پر، یہاں تک کہ

أَتَهُمْ نَصْرَنَا وَلَا مُبَدِّلَ لِكَلِمَاتِ اللَّهِ وَلَقَدْ جَاءَكَ

उन के पास हमारी नुस्खत आई. और अल्लाह के कलिमात को कोई बदल नहीं सकता. यकीनन आप के पास

مِنْ نَبَأِ الْمُرْسَلِينَ ۝ وَإِنْ كَانَ كِبْرَ عَلَيْكَ

पैगम्बरों की खबरों में से कुछ छिस्सा आ चुका है. और यकीनन आप (सदलल्लाहु अलयहि व सदलम)

إِعْرَاضُهُمْ فَإِنْ اسْتَطَعْتَ أَنْ تَبْتَغِيَ نَفَقًا فِي الْأَرْضِ

पर उन का औराज भारी है, फिर अगर आप इस की ताकत रखते हों के जमीन में कोई सुरंग तलाश कर लें

أَوْ سُلْمًا فِي السَّمَاءِ فَتَاتِيَهُمْ بِآيَةٍ ۖ وَلَوْ شَاءَ اللَّهُ

या आस्मान में कोई सीढ़ी लगा दें, फिर उन के पास कोई मोअजिजा आप ले आये और अगर अल्लाह चाहता

لَجَمَعَهُمْ عَلَى الْهُدَىٰ فَلَا تَكُونَنَّ مِنَ الْجَاهِلِينَ ۝

तो उन को छिदायत पर एकठा कर देता, इस लिये आप जाहिलों में से न हों.

إِنَّمَا يَسْتَجِيبُ الَّذِينَ يَسْعَوْنَ ۖ وَالْمَوْتَىٰ يَبْعَثُهُمْ

भात सिर्फ वही लोग कबूल करते हैं जो कान लगा कर सुनते हैं. और मुरहों को अल्लाह जिन्दा कर के

اللَّهُ ثُمَّ إِلَيْهِ يُرْجَعُونَ ۝ وَقَالُوا لَوْلَا نُزِّلَ عَلَيْهِ آيَةٌ

उठायेगे, फिर अल्लाह की तरफ वो लौटाये जायेंगे. और ये कहते हैं के इस नबी पर उस के रब की

مِنْ رَبِّهِ ۖ قُلْ إِنْ اللَّهُ قَادِرٌ عَلَىٰ أَنْ يُنْزِلَ آيَةً

तरफ से कोई मोअजिजा क्यूं नहीं उतारा गया? आप इरमा दीजिये यकीनन अल्लाह इस पर कादिर है के वो

وَلَكِنَّ أَكْثَرَهُمْ لَا يَعْلَمُونَ ۝ وَمَا مِنْ دَابَّةٍ فِي الْأَرْضِ

कोई मोअजिजा उतारे लेकिन उन में से अकसर जानते नहीं. और जमीन में कोई चलने वाला नहीं और न कोई

وَلَا ظَيْرٍ يَطِيرُ بِجَنَاحَيْهِ إِلَّا أُمَّةٌ أَمْثَلُكُمْ ۖ مَا فَرَطْنَا

परिन्दा अपने बाजुओं के जरिये उडता है, मगर वो तुम जैसी उम्मतें हैं. हम ने इस किताब में

فِي الْكِتَابِ مِنْ شَيْءٍ ثُمَّ إِلَىٰ رَبِّهِمْ يُحْشَرُونَ ۝ وَالَّذِينَ

कोई चीज नहीं छोड़ी. फिर अपने रब की तरफ उन्हें एकठा किया जायेगा. और वो लोग जिन्होंने ने

كَذَّبُوا بِآيَاتِنَا صُمٌّ وَبُكْمٌ فِي الظُّلُمَاتِ ۖ مَنْ يَشَأِ اللَّهُ

हमारी आयतों को जूठलाया वो भेडरे हैं और गूंगे हैं, तारीकियों में हैं. जिस को अल्लाह चाहे

يُضِلَّهُ ۖ وَمَنْ يَشَأِ يُجْعَلْهُ عَلَىٰ صِرَاطٍ مُسْتَقِيمٍ ۝

उसे गुमराह कर देते हैं और जिसे अल्लाह चाहते हैं उसे सीधे रास्ते पर कर देते हैं.

قُلْ أَرَأَيْتَكُمْ إِنْ أَتَاكُمْ عَذَابُ اللَّهِ أَوْ أَتَتْكُمُ السَّاعَةُ

آپ فرما دیجیے کیا تمہاری راز ہے کہ اگر تمہارے پاس اذلاب آ جائے یا تمہارے پاس

أَغْيَرَ اللَّهُ تَدْعُونَ ۚ إِنْ كُنْتُمْ صَادِقِينَ ۝ بَلْ إِيَّاهُ

کھامتا آ جائے، کیا اذلاب کے اداوا کو تم پکارو گے اگر تم سچے ہو؟ بلکہ تم اسی کو

تَدْعُونَ فَيَكْشِفُ مَا تَدْعُونَ إِلَيْهِ إِنْ شَاءَ

پکارو گے، کفر وہی دھڑ کرے گا وہ جس کی طرف تم پکارتے ہو اگر وہ چاہے اور تم بھول

وَتَنْسَوْنَ مَا تَشْرِكُونَ ۝ وَلَقَدْ أَرْسَلْنَا إِلَىٰ أُمَمٍ

جائو گے ان کو جن کو تم شریک ٹھہراتے تھے۔ اور یقیناً ہم نے رسول بھیجے ان اہل انبیا کی طرف

مِّنْ قَبْلِكَ فَآخَذْنَهُمْ بِالْبِاسِ ۖ وَالضَّرَّاءِ لَعَلَّهُمْ

جو آپ سے پہلے تھی، کفر ہم نے ان کو پکڑا سہمی اور تکلیف کے زریعے، شایع کے وہ آجیجی کرے۔

يَتَضَرَّعُونَ ۝ فَالْوَلَا إِذْ جَاءَهُمْ بِأُسْنَا تَضَرَّعُوا

کفر جب ان کے پاس ہمارا آجیجی آیا تو انہوں نے آجیجی کچھ نہی کی؟

وَلَكِنْ قَسَتْ قُلُوبُهُمْ وَزَيَّنَ لَهُمُ الشَّيْطَانُ مَا كَانُوا

لےکن ان کے دل سہمت ہو گئے اور ان کے لیے شیطان نے موشیخن کیے وہ آمال جو وہ

يَعْمَلُونَ ۝ فَلَمَّا نَسُوا مَا ذُكِّرُوا بِهِ فَتَحْنَا عَلَيْهِمْ

کرتے تھے۔ کفر جب انہوں نے بھلا دیا اوسے جس کے زریعے انہوں نے نہی کی گئی تھی، تو ہم نے ان پر

أَبْوَابَ كُلِّ شَيْءٍ حَتَّىٰ إِذَا فَرِحُوا بِمَا أُوتُوا أَخَذْنَاهُمْ

در کیوں کے دروازے بھول دیے۔ یوں تک کے جب وہ ہتھرتا اوس کی وجہ سے جو انہوں نے دیا گیا تھا

بَغْتَةً ۖ فَإِذَا هُمْ مُبْلِسُونَ ۝ فَقَطَّعَ دَايِرَ الْقَوْمِ

تو ہم نے انہوں نے اسیانک پکڑ لیا، کفر وہ مایوس ہو کر رے ہو گئے۔ کفر آلیم کوم کی جڑ

الَّذِينَ ظَلَمُوا ۖ وَالْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ ۝ قُلْ

کڑ دی گئی۔ اور تمام تاریک اذلاب رجبول آلامین کے لیے ہے۔ آپ فرما دیجیے تمہاری کیا راز

أَرَأَيْتُمْ إِنْ أَخَذَ اللَّهُ سَمْعَكُمْ وَأَبْصَارَكُمْ وَخَتَمَ

ہے اگر اذلاب تمہاری کھوتے سیمائ اور تمہاری ہسارت کو لے لے اور تمہارے دلوں پر

عَلَىٰ قُلُوبِكُمْ مِّنْ إِلَهٍ غَيْرِ اللَّهِ يَأْتِيكُمْ بِهِ ۖ أَنْظِرْ

مڈر لگا دے، تو اذلاب کے اداوا کون مابھد ہے جو اوس کو تمہارے پاس لے آئے؟ آپ دےہیے

كَيْفَ نَصَرَفُ الْآيَاتِ ثُمَّ هُمْ يَصْدِفُونَ ﴿٦٣﴾ قُلْ

के उम कैसे आयतों को ફेर ફेर कर भयान करते हैं, फिर भी वो औराज कर रहे हैं. आप फरमा दीजिये

أَرَأَيْتَكُمْ إِنْ أَتَاكُمْ عَذَابُ اللَّهِ بَعْتَةً أَوْ جَهْرَةً

तुम्हारी क्या राय है अगर तुम्हारे पास अल्लाह का अजाब अयानक आ जाये या ખुल्लम ખुल्ला आ जाये

هَلْ يُوْهِلِكُ إِلَّا الْقَوْمَ الظَّالِمُونَ ﴿٦٤﴾ وَمَا نُرْسِلُ

तो सिवाये जालिमों के कोई और उलाक डोगा? और उम रसूलों को नही भेजते

الْمُرْسَلِينَ إِلَّا مُبَشِّرِينَ وَ مُنذِرِينَ ۚ فَمَنْ أَمِنَ

भगर भशारत देने वाले और डराने वाले बना कर. फिर जो ईमान लाये

وَأَصْلَحَ فَلَا خَوْفٌ عَلَيْهِمْ وَلَا هُمْ يَحْزَنُونَ ﴿٦٥﴾

और ईस्लाह करे तो उन पर न भौंक डोगा और न वो गमगीन डोंगे.

وَالَّذِينَ كَذَّبُوا بِآيَاتِنَا يَسْتَهْمُ الْعَذَابُ بِمَا كَانُوا

और वो लोग जिन्होंने ने डमारी आयतों को जुठलाया उन्हें अजाब पडोंय कर रहेगा ईस वजह से के

يَفْسُقُونَ ﴿٦٦﴾ قُلْ لَا أَقُولُ لَكُمْ عِنْدِي خَزَائِنُ اللَّهِ

वो नाफरमान थे. आप फरमा दीजिये के मैं तुम से नही केडता के मेरे पास अल्लाह के भजाने हैं

وَلَا أَعْلَمُ الْغَيْبَ وَلَا أَقُولُ لَكُمْ إِنِّي مَلَكٌ ۚ

और न मैं गैब जानता हूँ और न मैं ये केडता हूँ के मैं फरिश्ता हूँ. मैं तो सिर्फ

إِنْ أَتَيْتُمْ إِلَّا مَا يُنْزِلُ إِلَيَّ ۚ قُلْ هَلْ يَسْتَوِي الْأَعْلَىٰ

उस के पीछे यलता हूँ जो मेरी तरफ वही किया जा रहा है. आप फरमा दीजिये के क्या अन्धा और

وَالْبَصِيرُ أَفَلَا تَتَفَكَّرُونَ ﴿٦٧﴾ وَ أَنْذِرْ بِهِ الَّذِينَ

भीना भराभर डो सकते हैं? क्या फिर तुम सोचते नही डो? और आप ईस के जरिये डराईये उन को जो

يَخَافُونَ أَنْ يَحْشُرُوا إِلَىٰ رَبِّهِمْ لَيْسَ لَهُمْ

डरते हैं ईस से के वो डकड़े किये जायेंगे उन के रब की तरफ, उन के लिये उस के अलावा

مَنْ دُونَهُ وَلِيٌّ وَلَا شَفِيعٌ لَّعَلَّهُمْ يَتَّقُونَ ﴿٦٨﴾

कोई महदगार और सिफारिशी नही डोगा, (डराईये) ताके वो डरें.

وَلَا تَطْرُدِ الَّذِينَ يَدْعُونَ رَبَّهُمْ بِالْغَدَاوَةِ وَالْعَشِيِّ

और आप उन को न धुत्कारें जो अपने रब को पुकारते हैं सुब्ह व शाम

يُرِيدُونَ وَجْهَهُ ۗ مَا عَلَيْكَ مِنْ حِسَابِهِمْ

और उस की रजा खाते हैं. आप पर उन के हिसाब में से कुछ भी

مِّنْ شَيْءٍ ۚ وَمَا مِنْ حِسَابِكَ عَلَيْهِمْ مِّنْ شَيْءٍ فَتَطْرُدَهُمْ

नहीं है और न आप के हिसाब में से उन पर कुछ है, फिर आप उन को धुत्कार दोगे तो आप

فَتَكُونُ مِنَ الظَّالِمِينَ ﴿٥٦﴾ وَكَذَلِكَ فَتَنَّا بَعْضَهُمُ

भी जालिमों में से बन जाओगे. और इसी तरह हम ने उन में से अक को दूसरे के लिये फ़ितना

بِبَعْضٍ لِّيَقُولُوا أَهَؤُلَاءِ مَنَّ اللَّهُ عَلَيْهِمْ

(आजमाईश का जरिया) बनाया ताके वो कहे के क्या यही लोग हैं जिन पर हमारे हरमियान में से

مِّنْ بَيْنِنَا ۗ أَلَيْسَ اللَّهُ بِأَعْلَمَ بِالشَّاكِرِينَ ﴿٥٧﴾ وَإِذَا جَاءَكَ

अद्लाह ने ईन्आम फ़रमाया? क्या अद्लाह कदर करने वालों को भूष नहीं जानते? और जब आप के

الَّذِينَ يُؤْمِنُونَ بِآيَاتِنَا فَقُلْ سَلَمٌ عَلَيْكُمْ كَتَبَ

पास आये वो लोग जो हमारी आयतों पर ईमान रखते हैं तो आप कहिये अरसलामु अलयकुम,

رَبُّكُمْ عَلَىٰ نَفْسِهِ الرَّحْمَةُ ۖ أَنَّهُ مَن عَمِلَ مِنْكُمْ

तुम्हारे रब ने अपनी जात पर रउमत लाजिम कर ली है के जो तुम में से कोई बुरा काम कर लेगा

سُوْءًا ۖ بِجَهَالَةٍ ثُمَّ تَابَ مِنْ بَعْدِ ۖ وَأَصْلَحَ ۖ فَأَنَّهُ

नावाक़िईयत से, फिर वो उस के भाद तौबा कर लेगा और ईस्लाह कर लेगा तो यकीनन अद्लाह

عَفُورٌ رَّحِيمٌ ﴿٥٨﴾ وَكَذَلِكَ نَفِصِلُ الْآيَاتِ وَلِيَسْتَبِينَ

भग्शाने वाला, निहायत रउम वाला है. और इसी तरह हम आयात तफ़सील से भयान करते हैं और इस लिये ताके

سَبِيلَ الْمُجْرِمِينَ ﴿٥٩﴾ قُلْ إِنِّي نُهَيْتُ أَنْ أَعْبُدَ الَّذِينَ

मुजरिमों का रास्ता साफ़ हो जाये. आप फ़रमा दीजिये मुजे ईस से मना किया गया है के मैं ईबाहत कइं उन की

تَدْعُونَ مِنْ دُونِ اللَّهِ ۗ قُلْ لَا أَتَّبِعُ أَهْوَاءَكُمْ ۖ

अद्लाह को छोड कर के जिन को तुम पुकारते हो. आप फ़रमा दीजिये के मैं तुम्हारी भ्वाछिशात के पीछे नहीं चलूंगा,

قَدْ ضَلَلْتُ إِذًا وَمَا أَنَا مِنَ الْمُهْتَدِينَ ﴿٦٠﴾ قُلْ

यकीनन तब तो मैं गुमराह हो जाऊंगा और मैं हिदायतयाफ़ता लोगों में से नहीं हूंगा. आप फ़रमा दीजिये

إِنِّي عَلَىٰ بَيْتَةٍ مِّن رَّبِّي وَكَذَّبْتُمْ بِهِ ۗ مَا عِنْدِي

यकीनन मैं अपने रब की तरफ़ से रोशन दलील पर हूँ और तुम ने उस को जूठलाया. मेरे पास वो अजाब

مَا تَسْتَعْجِلُونَ بِهِ ۗ إِنَّ الْحُكْمَ إِلَّا لِلَّهِ ۗ يَقْضُ الْحَقَّ

نہی ہے جس کو تم جلدی تطلب کر رہے ہو۔ حکم تو سب سے اعلیٰ ہی کا رہتا ہے۔ اعلیٰ ہی کو بیان

وَهُوَ خَيْرُ الْفَصِيلِينَ ﴿۵۵﴾ قُلْ لَوْ أَنَّ عِنْدِي

کرتا ہے اور وہ بہترین نسلوں میں سے ہے۔ آپ فرما دیجیے کہ اگر میرے پاس وہ آسمان ہوتا

مَا تَسْتَعْجِلُونَ بِهِ لَقُضِيَ الْأَمْرُ بَيْنَكُمْ ۗ

جس کو تم جلدی تطلب کر رہے ہو تو معاملہ میرے اور تمہارے درمیان ختم کر دیا جاتا۔

وَاللَّهُ أَعْلَمُ بِالظَّالِمِينَ ﴿۵۶﴾ وَ عِنْدَآ مَفَاتِحُ الْغَيْبِ

اور اعلیٰ ہی کے پاس گہم کی کھوجیاں ہیں،

لَا يَعْلَمُهَا إِلَّا هُوَ ۗ وَ يَعْلَمُ مَا فِي الْبُرِّ وَالْبَحْرِ ۗ

وہ کو سوا سے اعلیٰ ہی کے کوئی نہیں جانتا۔ اور اعلیٰ ہی جانتا ہے وہ تمام چیزوں کو جو پھسکی

وَمَا تَسْقُطُ مِنْ وَرَقَةٍ إِلَّا يَعْلَمُهَا وَلَا حَبَّةَ

اور سمندر میں ہے۔ اور کوئی پتہ نہیں گیرتا مگر اعلیٰ ہی سے جانتا ہے اور کوئی دانہ زمین کی

فِي ظِلْمَاتِ الْأَرْضِ وَلَا رَطْبٍ وَلَا يَابِسٍ إِلَّا

تاریکیوں میں نہیں ہوتا اور نہ کوئی تر چیز اور نہ پھسکی چیز ہے، مگر وہ سب سے سب سے

فِي كِتَابٍ مُّبِينٍ ﴿۵۷﴾ وَهُوَ الَّذِي يَتَوَفَّاكُمْ بِاللَّيْلِ

بیان کرنے والی کتاب (یعنی لحد کے مہر) میں ہے۔ اور وہی اعلیٰ ہی تمہیں رات میں وفات دیتا ہے

وَيَعْلَمُ مَا جَرَحْتُمْ بِالنَّهَارِ ثُمَّ يَبْعَثُكُمْ فِيهِ

اور وہ جانتا ہے وہ آسمان کو جو تم دن میں کرتے ہو، پھر وہ تمہیں اٹاتا ہے نہایت سے دن میں

لِيُقْضَىٰ أَجَلٌ مُّسَمًّى ۚ ثُمَّ إِلَيْهِ مَرْجِعُكُمْ

تاکہ مقرر کی ہوئی آہستہ آہستہ پوری کی جا سکے۔ پھر اسی کی طرف تمہیں لوٹ کر جانا ہے،

ثُمَّ يُنَبِّئُكُمْ بِمَا كُنْتُمْ تَعْمَلُونَ ﴿۵۸﴾ وَهُوَ الْقَاهِرُ فَوْقَ

پھر وہ تمہیں بتائے گا وہ کاموں کی جو تم کرتے تھے۔ اور وہ اپنے بندوں پر غالب

عِبَادِهِ ۗ وَ يُرْسِلُ عَلَيْكُمْ حَفَظَةً ۗ حَتَّىٰ إِذَا جَاءَ

ہے اور وہ تم پر بھاری ہتھیار بھیجتا ہے۔ یہاں تک کہ جب تم میں سے کسی ایک کی موت کا وقت

أَحَدِكُمْ الْمَوْتُ تَوَفَّيْتَهُ رُسُلَنَا وَهُمْ لَا يُفْرِطُونَ ﴿۵۹﴾

کریا آتا ہے تو اسے ہمارے بھیجے ہوئے ہتھیار سے وفات دیتے ہیں اور وہ کوتاہی نہیں کرتے۔ پھر وہ

ثُمَّ رُدُّوْا إِلَى اللَّهِ مَوْلَهُمُ الْحَقُّ ۗ أَلَا لَهُ الْحُكْمُ

لौटाओे जाओेगे अल्लाह की तरफ़ जो उन का हकीकी मौला है. सुनो! उसी के लिये हुकम है और वो

وَهُوَ أَسْرَعُ الْحَسِيبِينَ ﴿۱۲﴾ قُلْ مَنْ يُنَجِّيكُمْ

हिसाब लेने वालों में सब से तेज हिसाब लेने वाला है. आप इरमा दीजिये कौन तुम्हें भुशकी और

مَنْ طُلُمَتِ الْبِرِّ وَالْبَحْرِ تَدْعُوْنَهُ تَضَرُّعًا وَخُفْيَةً ۗ

समन्दर की तारीकियों से नजात देता है, तुम उसी को पुकारते हो आजिजी से और युपके युपके.

لَيْنَ أَجْنَدًا مِنْ هَذِهِ لَنَكُوْنَنَّ مِنَ الشَّاكِرِيْنَ ﴿۱۳﴾

के अगर वो हमें इस से नजात देगा तो हम ज़रूर शुक्र करने वालों में से बन जाओगे.

قُلِ اللَّهُ يُنَجِّيكُمْ مِنْهَا وَمِنْ كُلِّ كَرْبٍ ثُمَّ أَنْتُمْ

आप इरमा दीजिये के अल्लाह ही तुम्हें उस से नजात देता है और हर तकलीफ़ से नजात देता है, फिर तुम

تُشْكِرُوْنَ ﴿۱۴﴾ قُلْ هُوَ الْقَادِرُ عَلَيَّ أَنْ يَبْعَثَ عَلَيْكُمْ

शिक्र करने लग जाते हो. आप इरमा दीजिये के वो अल्लाह इस पर कादिर है के तुम पर अजाब

عَذَابًا مِّنْ فَوْقِكُمْ أَوْ مِنْ تَحْتِ أَرْجُلِكُمْ أَوْ يَلْبَسَكُمْ

भेजे तुम्हारे उपर से या तुम्हारे पैरों के नीचे से या मुप्तलिक्र फिरके बना कर

شِيْعًا وَ يُذِيقَ بَعْضَكُمْ بَأْسَ بَعْضٍ ۗ أَنْظُرْ كَيْفَ

तुम्हें भलत मलत कर दे और तुम्हें आपस की लडाई का मजा यभाओ. आप देभिये के हम

نُصِرْفُ الْآيَاتِ لَعَالَهُمْ يَفْقَهُوْنَ ﴿۱۵﴾ وَكَذَّبَ بِهِ

आयतों को कैसे इरे इरे कर भयान करते हैं ताके वो समजे. और आप की कौम ने उसे

قَوْمَكَ وَهُوَ الْحَقُّ ۗ قُلْ لَسْتُ عَلَيْكُمْ بِوَكِيْلٍ ﴿۱۶﴾

जुठलाया डालांके वो हक है. आप इरमा दीजिये के मैं तुम पर मुसल्लत नही हूँ.

لِكُلِّ نَبِيٍّ مُّسْتَقَرَّرٌ وَسَوْفَ تَعْلَمُوْنَ ﴿۱۷﴾ وَإِذَا رَأَيْتَ

हर भबर के लिये ओक वाकेअ होने का वकत है. और अनकरीब तुम्हें मालूम हो जाओगा. और जब आप

الَّذِيْنَ يَخُوْضُوْنَ فِيْ آيَاتِنَا فَأَعْرَضَ عَنْهُمْ

देभें उन लोगों को जो हमारी आयतों के बारे में भेडूढा कलाम करते हैं तो आप उन से औराज कीजिये

حَتَّى يَخُوْضُوْا فِيْ حَدِيْثٍ غَيْرِهِ ۗ وَإِمَّا يُنْسِيَنَّكَ

यहां तक के वो उस के अलावा किसी दूसरी बात में लग जाओ. और अगर आप को शयतान

الشَّيْطَانُ فَلَا تَقْعُدْ بَعْدَ الذِّكْرِى مَعَ الْقَوْمِ الظَّالِمِينَ ﴿۶۰﴾

بुला हे तो आप याद आने के बाद जालिम कौम के साथ न बैठिये.

وَمَا عَلَى الَّذِينَ يَتَّقُونَ مِنْ حِسَابِهِمْ مِّنْ شَيْءٍ

और मुत्तकियों पर उन के हिसाब की जिम्मेदारी जरा भी नहीं,

وَلَكِنْ ذِكْرَى لَعَلَّهُمْ يَتَّقُونَ ﴿۶۱﴾ وَذَرِ الَّذِينَ

लेकिन नसीहत कर देना है, शायद वो मुत्तकी बन जायें. और आप छोड़ दीजिये उन लोगों को

اتَّخَذُوا دِينَهُمْ لَعِبًا وَ لَهْوًا وَ غَرَّتْهُمُ الْحَيَوةُ

जिन्होंने ने अपना दीन लडव व लडव को बना रखा है और उन को दून्यवी जिन्दगी ने धोके में डाल रखा है

الدُّنْيَا وَ ذَكَرَ بِهٖ أَنْ تُبْسَلَ نَفْسٌ بِمَا كَسَبَتْ ۗ

और इस की आप नसीहत करते रहिये के कहीं कोई शम्स उन आमाज की वजह से उलाक हो जाये जो

لَيْسَ لَهَا مِنْ دُونِ اللَّهِ وَلِيٌّ وَلَا شَفِيعٌ ۗ

उस ने किये, के उस के लिये अल्लाह के अलावा कोई मददगार और सिफारिशी न हो.

وَإِنْ تَعَدِلْ كُلُّ عَدَلٍ لَّا يُؤْخَذُ مِنْهَا ۗ أُولَٰئِكَ الَّذِينَ

और अगर वो सारे किये भी हे देगा तो उस की तरफ से नहीं लिये जायेंगे. यही वो लोग हैं

أُبْسِلُوا بِمَا كَسَبُوا ۗ لَهُمْ شَرَابٌ مِّنْ حَمِيمٍ وَعَذَابٌ

जो उलाक हुवे उन आमाज की वजह से जो उनोंने किये. उन के लिये गरम पानी से पीना होगा और दर्दनाक

أَلِيمٌ ۗ بِمَا كَانُوا يَكْفُرُونَ ﴿۶۲﴾ قُلْ أَدْعُوا مِنْ دُونِ

अज्जब होगा इस वजह से के वो कुफ़ करते थे. आप इरमा दीजिये क्या हम पुकारे अल्लाह को छोड़ कर के

اللَّهِ مَا لَا يَنْفَعُنَا وَلَا يَضُرُّنَا وَ نُرَدُّ عَلَىٰ أَعْقَابِنَا

उन चीजों को जो हमें न नफ़ा हे सकती हैं और न हमें जरूर पड़ोया सकती हैं और हम पलट जायें

بَعْدَ إِذْ هَدَيْنَا اللّٰهُ كَالَّذِي اسْتَهْوَتْهُ الشَّيْطٰنُ

उमारी अडियों के बल इस के बाद के अल्लाह ने हमें छिदायत दी, उस शम्स की तरह जिस को

فِي الْاَرْضِ حَيْرَانَ ۗ لَهُ اَصْحٰبٌ يَّدْعُوْنَہٗ

शयातीन ने भज्ती बना दिया हो, जमीन में डेरान हो. उस के दोस्त उस को बुला रहे हों छिदायत की

إِلَى الْهُدٰى اِتِّتٰنًا ۗ قُلْ اِنَّ هُدٰى اللّٰهُ هُوَ الْهُدٰى ۗ

तरफ़ के तू हमारे पास आ जा. आप इरमा दीजिये के यकीनन अल्लाह की छिदायत वही छिदायत है.

وَأَمْرًا لِنُسَلِّمَ لِرَبِّ الْعَالَمِينَ ۝ وَأَنْ أَقِيمُوا

और हमें हुकूम दिया गया है के हम रब्बुल आलमीन के सामने जुक जायें. और ये के नमाज

الصَّلَاةَ وَاتَّقُوا ۝ وَهُوَ الَّذِي إِلَيْهِ تُحْشَرُونَ ۝

कायम करो और उस से डरो. और वही अल्लाह है जिस की तरफ़ तुम धकड़े किये जाओगे.

وَهُوَ الَّذِي خَلَقَ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضَ بِالْحَقِّ ۝

और वही अल्लाह है जिस ने आस्मानों और जमीन को पैदा किया उस के साथ.

وَيَوْمَ يَقُولُ كُنْ فَيَكُونُ ۝ قَوْلَهُ الْحَقُّ ۝ وَلَهُ

और जिस दिन वो कहेता है 'हो जा', तो वो हो जाता है. उस का कहेना उस है. और उसी के विये सल्तनत है

الْمَلِكُ يَوْمَ يَنْفَخُ فِي الصُّورِ عِلْمَ الْغَيْبِ وَالشَّهَادَةِ ۝

उस दिन जिस दिन सूर में झूका जायेगा. वो छुपी छुछ और आखिर चीज को जानने वाला है.

وَهُوَ الْحَكِيمُ الْخَبِيرُ ۝ وَإِذْ قَالَ إِبْرَاهِيمُ لِأَبِيهِ

और वो खिकमत वाला, भाषणर है. और जब धब्राहीम (अलैहिस्सलाम) ने अपने भाप आज़र से

أَزَّرَ اتَّخِذْ أَصْنَامًا لِلَّهِ ۝ إِنِّي أُرِيدُ أَنْ مَكَ

झरमाया के कया आप भुतों को माभूद बनाते हो? यकीनन मैं आप को और आप की कौम को

فِي ضَلَالٍ مُّبِينٍ ۝ وَكَذَلِكَ نُرِي إِبْرَاهِيمَ

भुली गुमराही में देभ रहा हूँ. और इसी तरह हम धब्राहीम (अलैहिस्सलाम) को

مَلَكَوَتِ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ وَلِيَكُونَ

दिभाने लगे आस्मानों और जमीन की सल्तनत ताके वो यकीन

مِنَ الْمُوقِنِينَ ۝ فَلَمَّا جَنَّ عَلَيْهِ اللَّيْلُ رَأَى كَوْكَبًا ۝

करने वालों में से हो. फिर जब उन पर रात छा गई तो धब्राहीम (अलैहिस्सलाम) ने सितारा देभा.

قَالَ هَذَا رَبِّي ۝ فَلَمَّا أَفَلَ قَالَ لَأِ أَحِبُّ الْإِنْفِلِينَ ۝

केडने लगे ये मेरा रभ है. फिर जब वो डूभ गया तो झरमाने लगे के मैं डूभने वालों से मडभभत नही

فَلَمَّا رَأَى الْقَمَرَ بَازِعًا قَالَ هَذَا رَبِّي ۝

करता. फिर जब आप ने यमकता हुवा यांद देभा तो झरमाया ये मेरा रभ है.

فَلَمَّا أَفَلَ قَالَ لَئِنْ لَمْ يَهْدِنِي رَبِّي لَأَكُونَنَّ

फिर जब वो भी डूभ गया तो झरमाया के अगर मुजे मेरे रभ ने डिदायत न दी, तो मैं गुमराड लोगों

مِنَ الْقَوْمِ الضَّالِّينَ ﴿٤٤﴾ فَلَمَّا رَأَى الشَّمْسُ بَازِغَةً

में से हो जाऊगा. फिर जब धब्राहीम (अलौहिस्सलाम) ने जगमगाता सूरज देखा तो

قَالَ هَذَا رَبِّي هَذَا أَكْبَرُ فَلَمَّا أَفَلَتْ قَالَ

इरमाया ये मेरा रब है के ये सब से बड़ा है. फिर जब वो डूब गया तो इरमाया

يَقُولُ إِنِّي بِرَبِّيَءٌ مِّمَّا تُشْرِكُونَ ﴿٤٥﴾ إِنِّي وَجَّهْتُ

अे मेरी कौम! यकीनन मैं तुम्हारे शिर्क से बरी हूँ. यकीनन मैं ने सब तरफ़ से कट कर अपना

وَجْهِيَ لِلدِّيْهِ فَطَرَ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ حَنِيفًا

रुभ कर लिया है उस जात की तरफ़ जिस ने आस्मानों और जमीन को पैदा किया और मैं मुशरिकीन

وَمَا أَنَا مِنَ الْمُشْرِكِينَ ﴿٤٦﴾ وَحَاجَّةُ قَوْمِهِ ٥ قَالَ

मे से नहीं हूँ और धब्राहीम (अलौहिस्सलाम) से जुजुतबाजी की उन की कौम ने. धब्राहीम (अलौहिस्सलाम) ने

أَتُحَاجُّونِي فِي اللَّهِ وَقَدْ هَدِينِ ٥ وَلَا أَخَافُ

इरमाया क्या तुम मुज से जुजुतबाजी करते हो अल्लाह के बारे में डालांके उस ने मुजे छिदायत दी है. और

مَا تُشْرِكُونَ بِهِ إِلَّا أَنْ يَشَاءَ رَبِّي شَيْئًا ٥ وَسِعَ رَبِّي

मैं जरा भी नहीं डरता उन चीजों से जिन को तुम शरीक ठेहराते हो मगर ये के मेरा रब याडे. मेरा रब डर

كُلِّ شَيْءٍ ٥ عِلْمًا ٥ أَفَلَا تَتَذَكَّرُونَ ﴿٤٧﴾ وَكَيْفَ

थीज पर इल्म के औतेबार से वसीअ है. क्या फिर तुम नसीहत डालिसल नहीं करते? और कैसे

أَخَافُ مَا أَشْرَكْتُمْ وَلَا تَخَافُونَ أَتَكْمُ أَشْرَكْتُمْ

मैं डरूंगा उन चीजों से जिन को तुम ने शरीक ठेहरा रभा है डालांके तुम नहीं डरते इस से के तुम ने अल्लाह

بِاللَّهِ مَا لَمْ يُنَزَّلْ بِهِ عَلَيْكُمْ سُلْطَانًا ٥

के साथ शरीक ठेहरा रभा है ऐसी चीजों को जिस पर अल्लाह ने तुम पर कोई दलील नहीं उतारी.

فَأَيُّ الْفَرِيقَيْنِ أَحَقُّ بِالْأَمْنِ ٥ إِنْ كُنْتُمْ تَعْمَلُونَ ﴿٤٨﴾

फिर दोनों जमाअतों में से कौन सी जमाअत अमन की जयादा डकदार है, अगर तुम इल्म रभते हो?

الَّذِينَ آمَنُوا وَلَمْ يَلْبَسُوا إِيمَانَهُمْ بِظُلْمٍ أُولَئِكَ

वो लोग जो इमान लाअे और जिन्डों ने अपने इमान को जुल्म के साथ नहीं मिलाया, तो उन्ही

لَهُمُ الْاَمْنُ وَهُمْ مُّهْتَدُونَ ﴿٤٩﴾ وَتِلْكَ حُجَّتُنَا

लोगों के लिये अमन है और वही छिदायतयाइता है. और ये डमारी जुजुत है

اتَيْنَاهَا إِبْرَاهِيمَ عَلَىٰ قَوْمِهِ ۖ نَرْفَعُ دَرَجَاتٍ مِّنْ نَّشَاءٍ ۖ

જો હમને દી ઈબ્રાહીમ (અલૈહિસ્સલામ) કો ઉન કી કૌમ કે ખિલાફ. હમ દરજાત બુલ્દ કરતે હૈ જિસ કે ચાહતે હૈ. યકીનન

إِنَّ رَبَّكَ حَكِيمٌ عَلِيمٌ ﴿۸۲﴾ وَوَهَبْنَا لَكَ إِسْحَاقَ وَيَعْقُوبَ ۖ

તેરા રબ હિકમત વાલા, ઈલ્મ વાલા હૈ. ઓર હમને ઈબ્રાહીમ (અલૈહિસ્સલામ) કો ઈસ્હાક ઓર યઅકૂબ (અલૈહિમસ્સલામ)

كُلًّا هَدَيْنَاهُ ۚ وَنُوحًا هَدَيْنَا مِنْ قَبْلُ ۚ وَمِنْ ذُرِّيَّتِهِ دَاوُدَ

અતા કિયે. સબ કો હમને હિદાયત દી. ઓર નૂહ (અલૈહિસ્સલામ) કો હમને ઉસ સે પેહલે હિદાયત દી ઓર ઉન્હી કી ઓલાદ

وَ سُلَيْمَانَ وَ يُوسُفَ وَ مُوسَىٰ وَ هَارُونَ ۚ وَ كَذَلِكَ

મેં સે દાવૂદ ઓર સુલેમાન ઓર અય્યૂબ ઓર યૂસુફ ઓર મૂસા ઓર હારૂન (અલૈહિમુસ્સલામ) કો હિદાયત દી. ઓર ઈસી તરહ

نَجَّزِي الْمُحْسِنِينَ ﴿۸۳﴾ وَ زَكَرِيَّا وَ يَحْيَىٰ وَ عِيسَىٰ وَ إِبْرَاهِيمَ ۚ

હમને કી કરને વાલો કો બદલા દેતે હૈ. ઓર ઝકરીયા ઓર યહયા ઓર ઈસા ઓર ઈલ્યાસ (અલૈહિમુસ્સલામ) કો હિદાયત દી.

كُلٌّ مِّنَ الصَّالِحِينَ ﴿۸۴﴾ وَ إِسْمَاعِيلَ وَ الْيَسَعَ وَ يُونُسَ

સબ કે સબ સુલહા મેં સે થે. ઓર ઈસ્માઈલ ઓર અલયસઅ ઓર યૂનુસ ઓર લૂત (અલૈહિમુસ્સલામ) કો

وَ لُوطًا ۚ وَ كُلًّا فَضَّلْنَا عَلَىٰ الْعَالَمِينَ ﴿۸۵﴾ وَ مِّنْ آبَائِهِمْ

હિદાયત દી. ઓર ઈન સબ કો હમને તમામ જહાન વાલો પર ફઝીલત દી. ઓર ઉન કે બાપ દાદા ઓર ઉન

وَ ذُرِّيَّتِهِمْ ۚ وَ إِخْوَانِهِمْ ۚ وَ اجْتَبَيْنَاهُمْ ۚ وَ هَدَيْنَاهُمْ

કી ઓલાદ ઓર ઉન કે ભાઈયો મેં સે ભી હિદાયત દી. ઓર હમને ઉન કો મુન્તાખબ કિયા ઓર હમને ઉન કો

إِلَىٰ صِرَاطٍ مُّسْتَقِيمٍ ﴿۸۶﴾ ذَلِكَ هُدَىٰ اللَّهِ يَهْدِي بِهِ مَن

હિદાયત દી સીધે રાસ્તે કી. યે અલ્લાહ કી હિદાયત હૈ, ઉસ કે ઝરિયે વો હિદાયત દેતા હૈ જિસે

يَشَاءُ ۚ مِنْ عِبَادِهِ ۚ وَلَوْ أَشْرَكُوا لَحَبَطَ عَنْهُمْ مَّا كَانُوا

ચાહતા હૈ અપને બન્દો મેં સે. ઓર અગર યે અમ્બિયા ભી શિર્ક કરતે તો ઉન સે હબ્ત હો જાતે વો

يَعْمَلُونَ ﴿۸۷﴾ أُولَٰئِكَ الَّذِينَ اتَّيْنَاهُمُ الْكِتَابَ وَ الْحُكْمَ

અમલ જો ઉન્હોં ને કિયે. યે વો થે કે જિન્હે હમને કિતાબ ઓર શરીઅત ઓર

وَ التَّوْبَةَ ۚ فَإِنْ يُكْفَرْ بِهَا هَوَالًا ۚ فَقَدْ وَكَلْنَا بِهَا قَوْمًا

નુબુવ્વત દી. ફિર અગર યે લોગ ઉસ કે સાથ કુફ કરેંગે તો હમ ઈસે એસી કૌમ કો સોંપ દેંગે જો ઉસ કે

لَيْسُوا بِهَا بِكَافِرِينَ ﴿۸۸﴾ أُولَٰئِكَ الَّذِينَ هَدَىٰ اللَّهُ فِيمَا هُمْ

સાથ કુફ કરને વાલી નહી હોગી. યહી લોગ હૈ જિન કો અલ્લાહ ને હિદાયત દી, તો ઉન કી હિદાયત કી

أَفْتَدِلَا ۖ قُلْ لَّا أَسْأَلُكُمْ عَلَيْهِ أَجْرًا ۖ إِن هُوَ إِلَّا ذِكْرِي

آپ ہکتیہا کیجیہے۔ آپ ہرما ہدیجیہے کہ میں ہس پر تم سے کسی اہر کا سواہل نہی کرتا۔ یہ تو سیرف تہامہ

لِلْعَالَمِينَ ۚ وَمَا قَدَرُوا اللَّهَ حَقَّ قَدْرِهِ ۖ إِذْ قَالُوا

جہان والوں کے لیہے نہیہت ہے۔ اور انہوں نے اہلہا کی کدہر نہی پہلہانی جیسا کہ ہس کی کدہر پہلہانہہ کا ہک ہے،

مَا أَنْزَلَ اللَّهُ عَلَىٰ بَشَرٍ مِّن شَيْءٍ ۖ قُلْ مَنْ أَنْزَلَ الْكِتَابَ

جہ کہ انہوں نے کڈا کہ اہلہا نہ کسی ہشار پر کوہی ییہا نہی ہتاری۔ آپ ہرما ہدیجیہے کہ کس نے ہتاری وہ کیتاہ

الَّذِي جَاءَ بِهِ مُوسَىٰ نُورًا وَهُدًى لِّلنَّاسِ لِيَجْعَلُوهُ

جو مہسا (اہلہہسسلہام) لہ کر آہہ تہ جو نور تہی اور ہدیہت تہی ہسناہوں کے لیہے جس کو تم کاگاہت مہ

قَرَاتِينَ يُدْعُونَهَا وَ تَخْفُونَ كَثِيرًا ۚ وَ عَلِمْتُمْ

رہتہ ہوں۔ کڈہ ہسسہ کو تم ہولتہ ہوں اور ہہوت سہی ییہوں ہطاہتہ ہوں۔ اور تمہوں ہہم ہدیہا گیا ہن ییہوں

تَأَلَّمُوا عَمُومًا أَنْتُمْ وَلَا آبَاؤُكُمْ ۖ قُلِ اللَّهُ ثُمَّ ذَرْهُمْ فِي خَوْضِهِمْ

کا جو تم اور تمہارہ ہاپ ہاہا جانتہ نہی تہے۔ آپ ہرما ہدیجیہے کہ اہلہا (ہی نے کیتاہ ہتاری ہے)، ہیر

يَلْعَبُونَ ۚ وَ هَذَا كِتَابٌ أَنْزَلْنَاهُ مُبْرَكٌ مُّصَدِّقٌ لِّلَّذِي

آپ ہن کو ہوں ہدیجیہے ہن کی ہیلہگی مہہلہا ہوا۔ اور یہ کیتاہ جو ہم نے ہتاری ہے ہرکت والہی ہے، جو سہیا ہتہانہ

بَيْنَ يَدَيْهِ ۚ وَ لِيُنذِرَ أُمَّ الْقُرَىٰ وَمَنْ حَوْلَهَا ۚ وَالَّذِينَ

والہی ہے ہن کیتاہوں کو جو ہس سے پہلہ تہی اور ہس لیہے تاکہ آپ مہکا والوں کو سہاہے اور ہن ہسٹیہوں کو جو ہس کے ہہہ ہیرہ ہے

يُؤْمِنُونَ بِالْآخِرَةِ يُؤْمِنُونَ بِهِ وَهُمْ عَلَىٰ صَلَاتِهِمْ

اور جو لوگ آہیرت پر ہہمان رہتہ ہوں وہ ہس پر ہہی ہہمان رہتہ ہوں اور وہ اپنی نہماہوں

يُحَافِظُونَ ۚ وَمَنْ أَظْلَمُ مِمَّنِ افْتَرَىٰ عَلَى اللَّهِ كَذِبًا

کی ہہی ہاہنہی کرتہ ہوں۔ اور ہس سے جہاہا آہیم کون ہوںگا جو اہلہا پر جھہ ہڈے یا یوں کڈے کہ

أَوْ قَالَ أُوْحَىٰ إِلَىٰ وَلَمْ يُوحَ إِلَيْهِ شَيْءٌ ۚ وَمَنْ قَالَ سَأُنزلُ

مہری ترہ ہہی وہی کیتا گیا، ہاہانکہ ہس کی ترہ کوہی ییہا وہی نہی کی گہ اور جو یوں کڈے کہ انہکریہ

مِثْلَ مَا أَنْزَلَ اللَّهُ ۚ وَلَوْ تَرَىٰ إِذِ الظَّالِمُونَ فِي غَمَرَاتِ

میں ہہی ہتارہگا ہس کے مہانہہ جو اہلہا نہ ہتاری۔ اور کاش کہ آپ ہہتہ جہ کہ یہ آہیم لوگ مہت

الْمَوْتِ وَالْمَلَائِكَةُ بَاسِطُوا أَيْدِيهِمْ أَخْرِجُوا أَنفُسَكُمُ

کی سہتیہوں مہ ہوںگے اور ہرہتہ اپنہ ہاہ ہلہاہ ہوںگے۔ (اور کڈتہ ہوںگے) اپنی جانہ نہکالوں۔

الْيَوْمَ تُجْزَوْنَ عَذَابَ الْهُونِ بِمَا كُنْتُمْ تَقُولُونَ

आज तुम्हें सजा दी जायेगी जिल्लत के अजाब की धस वजह से के तुम अल्लाह पर उक

عَلَى اللَّهِ غَيْرَ الْحَقِّ وَ كُنْتُمْ عَنْ آيَاتِهِ تَسْتَكْبِرُونَ ﴿١٣﴾ وَقَدْ

के अलावा केहते थे और तुम अल्लाह की आयतों से तकब्बुर करते थे. और यकीनन तुम उमारे

جِئْتُمُونَا فَرَادَى كَمَا خَلَقْنَاكُمْ أَوَّلَ مَرَّةٍ وَ تَرَكْتُمْ

पास अकेले आये हो जैसा के उम ने तुम्हें पेडली मरतभा पैदा किया था और तुम वो माल जो उम ने तुम्हें

مَا خَوْلْنَاكُمْ وِرَاءَ ظُهُورِكُمْ ۚ وَمَا نَرَى مَعَكُمْ شُفَعَاءَكُمْ

दिया था अपनी पीठ पीछे छोड कर आये हो. और उम तुम्हारे साथ तुम्हारे उन शुफआ को नही

الَّذِينَ زَعَمْتُمْ أَنَّهُمْ فِيكُمْ شُرَكَاءَ ۚ لَقَدْ تَقَطَّعَ بَيْنَكُمْ

हेभते जिन के मुतअद्लिक तुम दावा करते थे के ये तुम में शरीक हैं. यकीनन तुम्हारे दरमियान जुदाई वाकेअ

وَصَلَّ عَنْكُمْ مَا كُنْتُمْ تَزْعُمُونَ ﴿١٤﴾ إِنَّ اللَّهَ فَالِقَ الْحَبِّ

हो गई और तुम से भो गये वो जिन का तुम दावा किया करते थे. यकीनन अल्लाह दाने को फाडने वाला है

وَالنَّوَى ۖ يُخْرِجُ الْحَىٰ مِنَ الْمَيِّتِ وَ الْمُخْرَجِ الْمَيِّتِ

और गुठली को निकालने वाला है. वो जिन्हे को मुरदे से निकालता है और मुरदे को निकालने वाला है

مِنَ الْحَىٰ ۗ ذَٰلِكُمْ اللَّهُ ۗ فَأَلَيْ تَتُوفَكُونَ ﴿١٥﴾ فَالِقَ الْإِصْبَاحِ

जिन्हे से. यही अल्लाह है, फिर तुम कहां उल्टे फिरे जा रहे हो? वो सुब्ह को फाडने वाला है.

وَ جَعَلَ اللَّيْلَ سَكَنًا وَ الشَّمْسَ وَ الْقَمَرَ حُسْبَانًا ۗ ذَٰلِكَ

और उसी ने रात को सुकून का वकत बनाया और सूरज और चांद को हिसाब का जरिया बनाया. ये जबरदस्त

تَقْدِيرُ الْعَزِيزِ الْعَلِيمِ ﴿١٦﴾ وَهُوَ الَّذِي جَعَلَ لَكُمُ النُّجُومَ

ईल्म वाले अल्लाह की मुकरर की हुई मिकदार है. और वही अल्लाह है जिस ने तुम्हारे लिये सितारे बनाये

لِتَهْتَدُوا بِهَا فِي ظُلُمَاتِ الْبَرِّ وَ الْبَحْرِ ۗ قَدْ فَصَّلْنَا الْآيَاتِ

ताके तुम उन के जरिये भूशकी और समन्दर की तारीकियों में राह पाओ. यकीनन उम ने आयतें फेर फेर कर

لِقَوْمٍ يَعْلَمُونَ ﴿١٧﴾ وَهُوَ الَّذِي أَنْشَأَكُمْ مِّن نَّفْسٍ

भयान की ऐसी कौम के लिये जो जानती है. और वही अल्लाह है जिस ने तुम्हें अक जान से पैदा किया,

وَإِحْدَةٍ ۖ فَمُسْتَقَرٌّ ۖ وَ مُسْتَوْدَعٌ ۗ قَدْ فَصَّلْنَا الْآيَاتِ لِقَوْمٍ

फिर अक मुस्तकिल ठिकाना है और अक आरजी ठिकाना है. यकीनन उम ने आयतें तफसील से भयान की ऐसी कौम

۱۱
۱۲

يَفْقَهُونَ ﴿۹۸﴾ وَهُوَ الَّذِي أَنْزَلَ مِنَ السَّمَاءِ مَاءً ۖ فَأَخْرَجْنَا

کے دلیے جو سمجھتی ہے. اور وہی اے اللہ ہے جس نے آسمان سے پانی اتارا. کھیر ہم نے

بِهِ نَبَاتٍ كُلِّ شَيْءٍ ۖ فَأَخْرَجْنَا مِنْهُ خَضِرًا نُخْرِجُ مِنْهُ

اس کے زریے ہر شے کے سب سے کو نکالا، کھیر ہم نے اس سے سرسبز پودے نکالے جس سے ہم

حَبًّا مُتَرَاكِبًا ۖ وَمِنَ النَّخْلِ مِنَ طَلْعِهَا قِنْوَانٌ دَانِيَةٌ

تھو ہ تھو دانے نکالتے ہیں. اور بھڑ سے پانی اس کے پوشے سے ملے ہوے گورے ہوتے ہیں اور

وَجَنَّتِ مِنَ الْأَعْنَابِ وَالرَّيثُونَ وَالرَّمَّانَ مُشْتَبِهًا

اس نے نکالا انگور کے باغات اور زیتون اور انار کو کے ہوے ان میں سے اک دوسرے کے مشابہ ہیں اور ہوے

وَ غَيْرَ مُتَشَابِهٍ ۗ أَنْظُرُوا إِلَى ثَمَرِهِ إِذَا أَثْمَرَ وَيَنْعِهِ ۗ

اک دوسرے کے مشابہ نہیں ہے. تم دیکھو اس کے ہل کی ترے جو وہ اپنا ہل لاتا ہے اور اس کے پکنے کے

إِنَّ فِي ذَلِكَُمْ لَآيَاتٍ لِّقَوْمٍ يُؤْمِنُونَ ﴿۹۹﴾ وَجَعَلُوا لِلَّهِ

دیکھو. یہی ان اس میں نشانیاں ہیں ایسی کیم کے دلیے جو ایمان لاتی ہے. اور انہوں نے اے اللہ کے دلیے

شُرَكَاءَ الْجِنَّ وَ خَلَقَهُمْ وَ خَرَقُوا لَهُ بَنِينَ وَبَنَاتٍ

جینات کو شریک کر دیا، ہلاکے اے اللہ نے ان کو پیدا کیا ہے اور انہوں نے اے اللہ کے دلیے ہتے ہتے اور

بَغَيْرِ عِلْمٍ ۗ سُبْحٰنَهُ وَ تَعَالَىٰ عَمَّا يُصِفُونَ ﴿۱۰۰﴾ بَدِيعُ السَّمٰوٰتِ

ہتیاں ہدی ہل کے ہتے. اے اللہ پاک ہے اور ہر تر ہے ان شے سے جو وہ ہیان کرتے ہیں. اے اللہ آسمانوں اور

وَ الْأَرْضِ ۗ أَنَّىٰ يَكُونُ لَهُ وَلَدٌ وَلَمْ تَكُنْ لَهُ صَاحِبَةً ۗ

زمین کو ہتے نہ ہنے کے پیدا کرنے والا ہے. اس کے دلیے اولاد کھاں ہو سکتی ہیں جو کے اس کی ہوی نہیں؟

وَ خَلَقَ كُلَّ شَيْءٍ ۖ وَهُوَ بِكُلِّ شَيْءٍ عَلِيمٌ ﴿۱۰۱﴾ ذٰلِكُمْ اللهُ

اور ہر شے کو اس نے پیدا کی ہے. اور وہ ہر شے کو ہل جاننے والا ہے. یہی اے اللہ تمہارا

رَبُّكُمْ ۗ لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ ۖ خَالِقُ كُلِّ شَيْءٍ ۖ فَاعْبُدُوهُ ۗ وَهُوَ

رہ ہے. اس کے سوا کوئی ہا ہل نہیں. وہ ہر شے کو پیدا کرنے والا ہے، تو تم اسی کی ہباہت کرو.

عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ وَكَيْلٌ ﴿۱۰۲﴾ لَا تَدْرِكُهُ الْبَصَارُ وَهُوَ يُدْرِكُ

اور وہ ہر شے پر نیران ہے. اس کا ہدراک نہیں کر سکتی آہوں اور وہ آہوں کا ہدراک کرتا

الْأَبْصَارَ ۖ وَهُوَ اللَّطِيفُ الْخَبِيرُ ﴿۱۰۳﴾ قَدْ جَاءَكُمْ بَصَائِرٌ مِنْ

ہے. اور وہ ہل کرنے والا، ہا ہل ہے. یہی ان تمہارے پاس تمہارے رہ کی ترے سے ہسیرتے آ گئی.

رَبِّكُمْ ۖ فَمَنْ أَبْصَرَ فَلِنَفْسِهِ ۖ وَمَنْ عَمِيَ فَعَلَيْهَا ۗ

ફિર જો બસીરત કો ઈસ્તેમાલ કરેગા વો અપને હી ફાઈદે કે લિયે હૈ. ઓર જો અન્ધા રહેગા તો ઉસ પર ઉસ કા

وَمَا أَنَا عَلَيْكُمْ بِحَفِيظٍ ۗ وَكَذَلِكَ نُصَرِّفُ الْآيَاتِ

વબાલ પડેગા. ઓર મૈ તુમ પર મુહાફિઝ નહી હૂં ઓર ઈસી તરહ હમ આયતો કો ફેર ફેર કર બયાન કરતે હૈ ઓર ઈસ

وَلِيَقُولُوا دَرَسْتَ وَلِنُبَيِّنَهُ لِقَوْمٍ يَعْلَمُونَ ۗ اتَّبِعْ

લિયે તાકે વો કહે કે તુમ ને તો સબક પબ્લ લિયા હૈ ઓર ઈસ લિયે તાકે હમ ઉસ કો બયાન કરે એસી કૌમ કે લિયે જો સમજે.

مَا أَوْحَىٰ إِلَيْكَ مِنْ رَبِّكَ ۗ لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ ۗ وَأَعْرَضَ

આપ ઉસ કા ઈતિબા કીજિયે જો આપ કી તરફ આપ કે રબ કી તરફ સે વહી ક્રિયા જા રહા હૈ, ઉસ કે સિવા કોઈ માબૂદ નહી.

عَنِ الْمُشْرِكِينَ ۗ وَلَوْ شَاءَ اللَّهُ مَا أَشْرَكُوا ۗ وَمَا جَعَلْنَاكَ

ઔર આપ મુશરિકીન સે ઔરાઝ કીજિયે. ઔર અગર અલલાહ ચાહતા તો વો શિર્ક ન કરતે. ઔર હમ ને આપ કો

عَلَيْهِمْ حَفِيظًا ۗ وَمَا أَنْتَ عَلَيْهِمْ بِوَكِيلٍ ۗ وَلَا تَسُبُّوا

ઉન પર મુહાફિઝ બના કર નહી ભેજા. ઔર આપ ઉન પર મુસલ્લત નહી હો. ઔર તુમ લોગ ગાલી ન દો

الَّذِينَ يَدْعُونَ مِنْ دُونِ اللَّهِ ۗ فَيَسُبُّوا اللَّهَ عَدْوًا بِغَيْرِ

ઉન્હે જિન કો યે અલલાહ કે અલાવા પુકારતે હૈ, વરના વો અલલાહ કો ગાલી દેગે હદ સે તજાવુઝ કર કે ઈલ્મ ન

عِلْمٍ ۗ كَذَلِكَ زَيَّنَّا لِكُلِّ أُمَّةٍ عَمَلَهُمْ ۖ ثُمَّ إِلَىٰ رَبِّهِمْ

હોને કી વજહ સે. ઈસી તરહ હર ઉમ્મત કે લિયે હમ ને ઉન કે આમાલ મુખયન કિયે. ફિર ઉન કે રબ કી તરફ

مَرْجِعُهُمْ فَيُنَبِّئُهُمْ بِمَا كَانُوا يَعْمَلُونَ ۗ وَأَقْسَمُوا بِاللَّهِ

ઉન કા લૌટના હૈ, ફિર વો ઉન્હે બબર દેગા ઉન કામો કી જો વો કરતે થે. ઔર વો અલલાહ કી કસ્મો ખાતે હૈ

جَهْدَ آيَاتِهِمْ لِيُنْجَأَ إِيَّاهُ لِيُؤْمِنَنَّ بِهَا ۗ قُلْ

અપની કસ્મો કો મુઅક્કદ કર કે કે અગર ઉન કે પાસ મોઅજિઝા આ જાએગા તો ઝરર વો ઉસ પર ઈમાન લાએગે.

إِنَّمَا الْآيَاتُ عِنْدَ اللَّهِ ۗ وَمَا يُشْعُرُكُمْ ۖ أَتَاهَا ۗ إِذَا جَاءَتْ

આપ ફરમા દીજિયે કે તમામ મોઅજિઝાત સિર્ફ અલલાહ કે પાસ હૈ ઔર આપ કો કયા માલૂમ કે જબ મોઅજિઝા આ

لَهُ يَوْمِنُونَ ۗ وَنُقَلِّبُ أَفْئِدَتَهُمْ وَأَبْصَارَهُمْ كَمَا

જાએગા તબ ભી વો ઈમાન નહી લાએગે. ઔર હમ ઉન કે દિલો કો ઉલટ પલટ કરતે હૈ ઔર ઉન કી આંખો કો જેસા

لَمْ يُؤْمِنُوا بِهِ ۗ أَوَّلَ مَرَّةٍ ۗ وَنَذَرُهُمْ فِي طُغْيَانِهِمْ يَعْمَهُونَ ۗ

કે વો ઉસ પર પેહલી મરતબા મે ઈમાન નહી લાએ ઔર હમ ઉન કો ઉન કી સરકશી મે ભટકતા હુવા છોડતે હૈ.